नई दिल्ली ■ गुरुवार 19 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 350 ■ पृष्ठ 08

JBT www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 नवरात्रिः आंतरिक ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्थान का पर्व | 07 पोंटिंग ने यानसेन के देर से टीम से जुड़ने को स्वीकृति दी | 'धुरंधर-2' के हिंसक दृश्यों पर चली कैंची 08

पालम की रामचौक मार्केट में आग से नौ लोगों की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम इलाके में बुधवार सुबह एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लगने से एक बुजुर्ग महिला और उनकी तीन पोतियों समेत एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। महिला की एक पोती की उम्र मात्र तीन साल थी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में तीन लोग घायल हो गए जिनमें से दो लोगों ने आग से बचने के लिए इमारत से छलांग लगाई थी। यह इमारत पालम मेट्रो स्टेशन के पास राम चौक मार्केट में है। इमारत के 'बेसमेंट', भूतल और पहली मंजिल पर कपड़े तथा सौंदर्य प्रसाधन का शोरूम था, जबकि शोरूम के मालिक राजेंद्र कश्यप का परिवार दूसरी और तीसरी मंजिल पर रहता था। पड़ोसियों ने बताया कि आग शुरू में पहली मंजिल पर लगी थी लेकिन तेजी से फैल गई। संभवतः दुकान में मौजूद अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ इत्र और अन्य सौंदर्य उत्पादों के कारण आग फैली। स्थानीय बाजार संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र अपनी पत्नी, पांच बेटों, एक बेटी, चार बहुओं और सात पोते-पोतियों के साथ उस इमारत में रहते थे।

अधिकारियों ने बताया कि घटना के समय घर में परिवार के कई सदस्य मौजूद नहीं थे। कश्यप गोवा में थे, जबकि उनका एक बेटा और उसका परिवार छुट्टी मनाने बाहर गए हुए थे। मृतकों की पहचान राजेंद्र की पत्नी लाडो (70), उनके बेटे प्रवेश (33) और कमल (39), कमल की पत्नी आशु (35) और उनकी तीन बेटियों के रूप में हुई। उनकी तीन बेटियों की उम्र 15, छह और तीन साल थी। पुलिस ने बताया कि लाडो की बेटी हिमांशी (22) और बहू दीपिका (28) की भी इस अग्निकांड में मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि राजेन्द्र और लाडो का बेटा अनिल (32) अपनी दो साल की बेटी को तीसरी मंजिल पर सीढ़ी से उतारने की कोशिश कर रहा था, तभी वह नीचे गिर गई।

इसके तुरंत बाद उसने खुद भी छलांग लगा दी। इस घटना में वह दोनों घायल हो गए, जिनका इलाज किया जा रहा है। आग से बचने के लिए पास की एक इमारत में कूदा सचिन (29) भी घायल हो गया और उसका सफदरजंग अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। सचिन लगभग 25 प्रतिशत झुलस चुका है।

पालम की बहुमंजिला इमारत में अग्निकांड की मजिस्ट्रेटी जांच होगी, सीएम ने दिए आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के पालम में बहुमंजिला इमारत में आग लगने का जांच मजिस्ट्रेट से कराने के आदेश मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिए हैं। मौके पर आग को काबू करने की कोशिशें जारी है। इस अग्निकांड में सात लोगों की मौत हुई है, जिसमें कई बच्चे भी हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि पालम स्थित बहुमंजिला आवासीय भवन में हुई भीषण अग्निकांड के बारे में जानकर अत्यंत व्यथित हूं। जिला प्रशासन, दिल्ली अग्निशमन विभाग और दिल्ली पुलिस बचाव अभियान जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि घटना की जांच के लिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को पालम मेट्रो स्टेशन के पास एक इमारत में स्थित घर से सुबह करीब 7 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद 30 दमकल गाड़ियों के साथ एक बड़ा अग्निशमन और बचाव अभियान शुरू किया गया।

> "पालम में आग लगने की घटना दुखद है और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। पीएम ने घोषणा की कि मृतकों के आश्रितों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।।
>
> - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

इंदौर में इलेक्ट्रिक कार के चार्जिंग पॉइंट में ब्लास्ट से लगी आग में 8 की गई जान

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में बंगाली चौराहा के पास स्थित तिलक नगर इलाके में बुधवार सुबह चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक कार (टाटा पंच) में शॉर्ट सर्किट से आग ने तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रबर कारोबारी मनोज पुगलिया और उनकी बहू सिमरन समेत आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

हादसे के समय पूरा परिवार घर में सो रहा था, इसलिए किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में रखे गैस सिलेंडर भी फट गए, जिससे हालात और भयावह हो गए। वहीं, बिजली गुल होने से डिजिटल लॉकिंग सिस्टम बंद हो गया। कई लोग घर के अंदर ही फंस गए। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस के अनुसार, बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी में पुगलिया परिवार के घर के बाहर देर रात इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग पर लगी थी। सुबह करीब चार बजे चार्जिंग पॉइंट में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे कार ने आग पकड़ ली। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया और घर के भीतर फैल गई।

हादसे के समय पुगलिया परिवार के घर में पारिवारिक कार्यक्रम चल रहा था, जिसके कारण कई सदस्य और रिश्तेदार एक साथ मौजूद थे। घर के अंदर दस से ज्यादा गैस सिलेंडर और ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी। आग की चपेट में आते ही सिलेंडरों में विस्फोट शुरू हो गया। धमाका इतना तेज था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया। घर में लगे डिजिटल लॉक खुल नहीं पाए, इसके कारण अंदर सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कुंदन मंडलोई के अनुसार, आग लगने की इस घटना में आठ लोगों की मौत हुई है। मृतकों में मकान मालिक मनोज जैन पुंगलिया (65), उनकी बहू सिमरन पुगलिया (30), विजय सेठिया (65), पत्नी सुमन सेठिया (60), छोटू सेठिया (22), राशि सेठिया (12), टीनू (35) और तनय (8 वर्ष) शामिल है। हादसे में बुरी तरह के झुलसे चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें मनोज पुगलिया की पत्नी सुनीता, मनोज पुगलिया के पुत्र सौरभ, सोमिल और हर्षित शामिल हैं। इंदौर के इस हादसे में मरने वालों में बिहार और राजस्थान के परिवार भी शामिल हैं।

> "मध्य प्रदेश के इंदौर में आग लगने की घटना में हुई जान-माल की हानि से गहरा दुख हुआ है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।
>
> - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी चार परियोजनाओं को मंजूरी

2,584 करोड़ के एसएचपी योजना' को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 से लेकर अगामी वित्त वर्ष 2030-31 की अवधि के लिए 1500 मेगावाट क्षमता वाली 2584.60 करोड़ रुपये के लघु जल विद्युत (एसएचपी) विकास योजना' को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी देते हुए बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिए 'लघु जल विद्युत (एसएचपी) विकास योजना' को अपनी मंजूरी दे दी है। वैष्णव ने कहा कि इस योजना के तहत लगभग 1500 मेगावाट क्षमता वाली लघु जल विद्युत (एसएचपी) परियोजनाओं की स्थापना के लिए 2584.60 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह योजना अलग-अलग राज्यों में छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट (1-25 मेगावाट क्षमता वाले) लगाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि इससे खास तौर पर पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों को फ़ायदा होगा, जहाँ ऐसे प्रोजेक्ट की बहुत ज्यादा संभावना है। वैष्णव ने बताया कि इस योजना के तहत राज्यों को लगभग 200 परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा, ताकि भविष्य में लघु जलविद्युत परियोजनाओं की एक श्रृंखला तैयार हो सके। इस प्रकार की डीपीआर तैयार करने के लिए राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों को सहायता प्रदान करने हेतु 30 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना से परियोजना निर्माण के दौरान 51 लाख व्यक्ति-दिवस का रोजगार सृजित होगा। इसके साथ ही ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्थापित होने वाली इन एसएचपी (स्मॉल हैंड हीटर) परियोजनाओं के रखरखाव और संचालन में भी रोजगार सृजित होगा। एसएचपी परियोजनाएं विकेंद्रीकृत होने के कारण लंबी पारेषण लाइनों की आवश्यकता न्यूनतम होती है, जिससे पारेषण हानि भी कम होती है।

केंद्र ने बाराबंकी-बहराइच के बीच 4-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड हाई-वे को मंजूरी दी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बाराबंकी से बहराइच के बीच 4-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड राष्ट्रीय राजमार्ग-927 के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर कुल 6969.04 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इसे हाइब्रिड एन्युटी मोड (एचएएम) के तहत विकसित किया जाएगा।

सीसीआई को मिलेंगे 1,718 करोड़

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने देश में भारतीय कपास निगम (सीसीआई) को 2023-24 सीजन के लिए 1,718.56 करोड़ रुपये की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की फंडिंग को मंजूरी दी है।

औद्योगिक विकास योजना 'भव्य' को मंजूरी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार औद्योगिक विकास को गति देने के लिए भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) लाई है। इसके तहत देशभर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। सरकार ने इनके लिए 33,660 करोड़ आवंटित किए हैं।

राजस्थान सरकार से वसूला जायेगा पानी का 1.44 लाख करोड़ बकाया : मान

सीएम बोले- बकाया दे प्रदेश सरकार या पानी लेना करे बंद

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि राजस्थान सरकार से दशकों से बकाया पानी का बिल 1.44 लाख करोड़ रुपये वसूला जाएगा। राजस्थान सरकार को या तो पंजाब के जायज बकाए जारी करने चाहिए या पानी लेना बंद कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था को संचालित करने वाले वर्ष 1920 के ऐतिहासिक समझौते की समीक्षा करने की मांग की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार वर्ष 1960 से फिरोजपुर फीडर के जरिए निकाले गए पानी के लिए पंजाब को 1.44 लाख करोड़ रुपये की देनदार है, जिसके लिए एक पैसा भी अदा नहीं किया गया है। राजस्थान को या तो पंजाब का जायज बकाया जारी करना चाहिए या पानी लेना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि साल 1920 के दशक में राजस्थान बीकानेर रियासत, साझा पंजाब और ब्रिटिश राज के बीच हुए एक समझौते के अनुसार प्रति एकड़ के आधार पर पानी का भुगतान करने के लिए सहमत हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 1960 तक भुगतान किए जाते थे, लेकिन सिंधु जल समझौते के बाद राजस्थान ने लगातार 18,000 क्यूसेक पानी लेने के बावजूद भुगतान करना बंद कर दिया। राजस्थान के रुख में विरोधाभास का जिक्र करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज भी राजस्थान 1920 के समझौते के तहत पानी ले रहा है, लेकिन जब बकाए के भुगतान की बात आती है, तो यह 1960 के समझौते का सहारा ले लेता है।

रायगढ़ जिले में कंटेनर कार पर पलटा, 3 लोगों की मौत, 5 घायल

मुंबई। मुंबई के पास रायगढ़ जिले के खोपोली में बुधवार को मुंबई-पुणे हाईवे पर ब्रेक फेल होने के बाद एक अनियंत्रित कंटेनर कई वाहनों को टक्कर मारते हुए एक कार पर पलट गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर पुणे से मुंबई की ओर जाने वाली लेन में खोपोली के पास नई टनल के समीप हुई। अचानक कंटेनर का ब्रेक फेल हो गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित कंटेनर ने रास्ते में चल रही कई गाड़ियों को टक्कर मार दी और अंततः एक कार के ऊपर पलट गया।

एयरपोर्ट के पास चला योगी का बुलडोजर 350 करोड़ की जमीन कराई खाली

नोएडा। जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के आसपास अवैध कब्जों के खिलाफ यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) ने बड़ा अभियान चलाया है। प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में करीब 350 करोड़ रुपये की जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई मंगलवार को प्रशासनिक टीम की मौजूदगी में की गई, जिसमें बड़ी संख्या में राजस्व और प्राधिकरण के अधिकारी शामिल रहे। इस अभियान को क्षेत्र में अवैध निर्माण और प्लॉटिंग के खिलाफ कड़ा संदेश माना जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्राम दयानतपुर में लगभग 70,240 वर्ग मीटर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। कार्रवाई का नेतृत्व अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश कुमार और विशेष कार्याधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया। टीम में डिप्टी कलेक्टर कृष्ण गोपाल त्रिपाठी, अभिषेक शाही, हरी प्रताप सिंह और तहसीलदार मनोज कुमार सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा, जेवर एयरपोर्ट से जुड़े महत्वपूर्ण सेक्टर और 60 मीटर चौड़ी सड़क को भी अतिक्रमण मुक्त कराया गया। जांच में सामने आया कि कब्जा की गई जमीन पर बाहरी लोगों ने अवैध रूप से खरीद-फरोख्त कर बाउंड्री वॉल बनाकर कब्जा कर लिया था। प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर इन सभी अवैध ढांचों को ध्वस्त किया और जमीन को अपने नियंत्रण में ले लिया। कब्जा मुक्त कराई गई इस जमीन का बाजार मूल्य करीब 350 करोड़ रुपये आंका गया है। प्राधिकरण ने साफ कहा है कि अधिसूचित क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, आने वाले समय में भी इस तरह के अतिक्रमण विरोधी अभियान लगातार जारी रहेंगे। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से पूरी जानकारी जरूर लें, ताकि किसी तरह के विवाद से बचा जा सके।

आईएमएस लॉ कॉलेज में नारीवादी आंदोलन पर प्रजेंटेशन प्रतिस्पर्धा का आयोजन

नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज के नयी पहल ज्यूरिस एकेडमिया सोसाइटी ने धर्मों के पार नारीवादी आंदोलनों एक सामाजिक विधिक दृष्टिकोण विषय पर प्रेजेंटेशन प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को धार्मिक परिप्रेक्ष्यों में नारीवादी आंदोलनों का गहन विश्लेषण तथा उनके सामाजिक एवं विधिक प्रभावों को समझने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतिस्पर्धा से पूर्व प्रतिभागियों को शोध पद्धति, केस लॉ विश्लेषण एवं प्रभावी प्रस्तुति कौशल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

नयी पहल ज्यूरिस एकेडमिया सोसाइटी की संयोजक प्रो. स्वाती त्यागी ने बताया कि बुधवार को प्रतिस्पर्धा को दो श्रेणियों में विभाजित कर आयोजित की गई। प्रथम श्रेणी में सामाजिक आंदोलनों पर प्रस्तुति तथा द्वितीय श्रेणी में केस लॉ प्रस्तुति पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रतिस्पर्धा के दौरान 15 प्रतिभागियों ने सती प्रथा उन्मूलन, बाल विवाह, महिला शिक्षा, व्यक्तिगत विधि सुधार तथा महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों जैसे विषयों पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। वहीं प्रतिस्पर्धा का मूल्यांकन प्रोफेसर (डॉ.) भाविश गुप्ता, व्यास कुमार यादव एवं डॉ. सचिन गोयल की निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। प्रतिस्पर्धा में निमिषा त्रिपाठी एवं अदीबा जंग प्रथम स्थान पाकर विजेता बनी। वहीं आकांक्षा बाजपेयी प्रथम उपविजेता तथा शाहीन खान द्वितीय उपविजेता रहीं।

आईएमएस लॉ कॉलेज की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने कहा कि छात्रों में समालोचनात्मक सोच, विधिक जागरूकता एवं प्रभावी व्यक्तित्व कौशल के विकास के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताएं अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अकादमिक आयोजनों से विद्यार्थियों में न केवल विषय की गहन समझ विकसित होती है, बल्कि उनमें विश्लेषणात्मक सोच, शोध क्षमता एवं प्रभावी अभिव्यक्ति कौशल का भी विकास होता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को समकालीन सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं तथा उन्हें भविष्य के जिम्मेदार विधि-विशेषज्ञ बनने के लिए प्रेरित करती हैं। साथ ही, यह कार्यक्रम लिंग न्याय एवं नारीवादी आंदोलनों के सामाजिक-विधिक पहलुओं पर सार्थक संवाद को भी प्रोत्साहित करता है।

संक्षिप्त खबरें

टीएनएम और जेएनएनवाईसी की जीत

नोएडा। एसएन दुबे और कमला देवी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को दो मुकाबले खेले गए। इसमें टीएनएम और जेएनएनवाईसी एकेडमी ने जीत दर्ज की। दोनों मुकाबले सेक्टर-127 स्थित पायनियर क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए। टीएनएम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 236 रन बनाए। वहीं, लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूजीसी एकेडमी 226 रन ही बना सकी। दूसरे मुकाबले में स्टार एकादश ने 163 रन बनाए। जेएनएनवाईसी ने यह मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया।

सड़क हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत

नोएडा। थाना फेस-वन क्षेत्र के गोल चक्कर के पास हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान के दौरान मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना फेस -वन के थाना प्रभारी अमित कुमार मान ने बुधवार को बताया कि दिल्ली के नारायण गांव निवासी सुनील कुमार यादव (42) गोल चक्कर के पास हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां पर मंगलवार की देर रात रात को उनकी मौत हो गई। पुलिस शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच में जुट गई।

नोएडा में सात साल के मासूम से कुकर्म, पड़ोसी गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सदरपुर कॉलोनी में रहने वाले एक सात वर्षीय बच्चे के साथ पड़ोसी व्यक्ति ने कुकर्म किया। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। थाना सेक्टर 39 के थाना प्रभारी डीपी शुक्ल ने बुधवार को बताया कि सदरपुर कॉलोनी में रहने वाले एक सात वर्षीय बच्चे से पड़ोसी युवक कबीर ने मंगलवार की रात कुकर्म किया। बच्चे ने अपने घर वालों को आपबीती बताई। उन्होंने बताया कि बुधवार को परिजनों ने घटना की शिकायत थाना सेक्टर 39 पुलिस से की। घटना की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपित कबीर को गिरफ्तार कर लिया है।

शारदा स्कूल में 100 से अधिक बच्चों के दांत चेक किए

ग्रेटर नोएडा। शारदा स्कूल ऑफ लॉ के प्रो बोनो क्लब (लीगल एड सोसाइटी) की जुवेनाइल विंग ने सरकारी जुवेनाइल ऑब्जर्वेशन होम (बालकों के लिए) में रहने वाले बच्चों के लिए डेंटल स्क्रीनिंग ड्राइव का आयोजन किया। इसके तहत 100 से अधिक बच्चों के दांतों की जांच हुई। मौके पर चिकित्सक ने बच्चों को रोज सही तरीके से ब्रश करने की जानकारी दी।

पंजाब से बिहार प्रांत में तस्करी हो रही 60 लाख की 570 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर के आबकारी विभाग ने बुधवार को एक सूचना के आधार पर पंजाब से तस्करी करके लीलैंड ट्रक में छुपाकर बिहार प्रांत में बेचने के लिए ले जाई जा रही करीब 60 लाख रुपए कीमत की 570 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि इस गैंग के लोग काफी दिनों से अवैध रूप से शराब तस्करी में संलिप्त हैं।

जनपद गौतमबुद्ध नगर के आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार की सुबह एक सूचना के आधार पर मेरठ की आबकारी विभाग की प्रवर्तन टीम, जनपद गौतम बुद्ध नगर की आबकारी टीम ने एक संयुक्त अभियान के तहत ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के लुहारली टोल के पास से एक अशोक लीलैंड ट्रक को कब्जे में लिया। इसमें

थर्मोकोल की बोरियों के पीछे छुपाकर 570 पेटी अंग्रेजी शराब रखी गई थी। यह शराब पंजाब प्रांत में बेचने के लिए बनाई गई थी। उन्होंने बताया कि आबकारी विभाग ट्रक चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि यह शराब पंजाब प्रांत से लाई जा रही है, तथा इसे बिहार प्रांत में बेचने के लिए ले जाया जा रहा था। बिहार प्रांत में मदिरा बिक्री के लिए प्रतिबंधित है। इस बात का फायदा उठाकर शराब माफिया सस्ती दर में पंजाब से शराब खरीद कर बिहार में ऊंचे दाम पर बेचते हैं। पूछताछ के दौरान आबकारी विभाग को यह भी पता चला है कि ट्रक मालिक और ड्राइवर एक सुनियोजित तरीके से शराब तस्करी के धंधे को अंजाम दे रहे हैं। ये लोग कुछ दूर तक ट्रक चलाने के बाद उसे खड़ा कर देते हैं, फिर दूसरा ड्राइवर आता है जो ट्रक को लेकर आगे जाता है। इसी तरह से पंजाब से बिहार पहुंचने तक कई बार ट्रक चालक और वाहन भी बदल जाते हैं ताकि गिरफ्त में ना आए। उन्होंने बताया की जानकारी में यह भी आया है कि तस्करी के शराब को ढो रहे वाहनों के आगे पीछे लोग चलते हैं, तथा उन्हें पायलट करते हुए अधिकारियों की चेकिंग की सूचना उपलब्ध कराते हैं। अगर कहीं चेकिंग हो रही होती तो वाहनों को रोक दिया जाता है, या किसी और रास्ते से निकाल लिया जाता है।

नोएडा में त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ी, धारा 163 लागू

नोएडा। नोएडा और गौतमबुद्धनगर में आने वाले धार्मिक पर्वों और खास आयोजनों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क मोड में आ गया है। नोएडा शहर की शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को हर हाल में बनाए रखने के लिए पुलिस ने पहले ही सख्त तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में 19 मार्च से 21 मार्च 2026 तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 लागू करने का फैसला लिया गया है। इस दौरान जिलेभर में भीड़ जुटाने, जुलूस निकालने और सार्वजनिक स्थानों पर सामूहिक गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। पुलिस कमिश्नरेट का साफ कहना है कि त्योहारों के उल्लास के बीच किसी भी तरह की अफरा-तफरी, तनाव या अप्रिय स्थिति को पनपने नहीं दिया जाएगा। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 19 मार्च 2026 से नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। इसी दिन चेटी चंद का पर्व भी मनाया जाएगा। इसके बाद 20 मार्च, शुक्रवार को अलविदा जुमे की नमाज अदा की जाएगी। वहीं चांद दिखने के बाद 21 मार्च को ईद-उल-फितर मनाए जाने की संभावना है। लगातार पड़ रहे इन महत्वपूर्ण धार्मिक अवसरों को देखते हुए नोएडा पुलिस और प्रशासन ने पहले से ही एहतियाती सख्ती शुरू कर दी है। धारा 163 लागू रहने के दौरान नोएडा और गौतमबुद्धनगर के किसी भी हिस्से में बिना अनुमति जुलूस निकालने की इजाजत नहीं होगी। सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और मार्गों पर समूह में एकत्र होने, धार्मिक आयोजन करने या भीड़ जुटाने पर प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने साफ किया है कि किसी भी कार्यक्रम के लिए निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य होगा।

प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर लगाई उपलब्धियों की प्रदर्शनी

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश में विकास, सुशासन एवं जनकल्याण की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक भवन, लखनऊ में नवनिर्माण के 9 वर्ष शीर्षक पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण गौतमबुद्धनगर कलेक्ट्रेट परिसर सूरजपुर में किया गया।

इस दौरान विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह, विधायक दादरी तेजपाल नागर, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, जिलाध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी डा. शिवाकांत द्विवेदी सहित अन्य उपस्थित रहें। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि विगत 9 वर्षों में प्रदेश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं तथा सरकार की योजनाओं ने समाज के प्रत्येक वर्ग विशेषकर गरीबों, किसानों, युवाओं एवं महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य

किया है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के तहत लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। जिसमें कृषि विभाग ने 2 लाभार्थियों को कस्टम हायरिंग सेंटर एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत 3 बालिकाओं, आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा 16 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। उद्यान विभाग द्वारा 3 कृषकों को शाक-भाजी बीज उपलब्ध कराए गए। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत 2 लाभार्थियों को टूलकिट, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 6 लाभार्थियों को सब्सिडी धनराशि के प्रतीकात्मक चेक, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के 10 विद्यार्थियों को रोजगार के लिए नियुक्ति, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 10 बच्चों को यूनिफॉर्म, खादी ग्रामोद्योग विभाग के माध्यम से 8 लाभार्थियों को पॉपकॉर्न मशीन, जिला प्रोबेशन विभाग द्वारा 5 बालिकाओं को बेबी तथा क्राई फाउंडेशन के सहयोग से 5 बच्चों को भी बेबी किट उपलब्ध कराई गई।

इसके अलावा योगी सरकार 9 वर्ष पूर्ण होने पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा 9 वर्ष विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों व उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी स्थापित की गई। जनप्रतिनिधियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में सूचना विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों एवं प्रदर्शनियों का अवलोकन करते हुए सराहना की। कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग तथा अन्य विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक स्टॉल एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिनमें सरकारी योजनाओं की जानकारी सरल एवं व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत की गई। स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय भी किया गया, जिससे स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार को प्रोत्साहन मिला। कार्यक्रम के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार, डिप्टी कलेक्टर विवेक प्रकाश पांडेय, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला दिव्यांगजन अधिकारी/जिला प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी आशीष कुमार, खंड विकास अधिकारी दादरी नेहा, सहकारिता विभाग से आलोक रंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

समाजवादी महिला सभा ने किया रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत के विरोध में प्रदर्शन

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत के समाधान की मांग को लेकर समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष डॉक्टर शशि यादव के नेतृत्व में बुधवार को सूरजपुर स्थित जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि देश में रसोई गैस की भारी किल्लत चल रही है, गैस एजेंसियों पर भारी भीड़ लगी हुई है और कई घरों में गैस सिलेंडर न मिलने के कारण चूल्हे तक नहीं जल पा रहे हैं। आम जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। लोगों को एक गैस सिलेंडर के लिए कई घंटे लाइन में लगना पड़ रहा है और कई गुना अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि पहले से ही कमर तोड़ महंगाई का सामना कर रही जनता के लिए यह भारी संकट है। भाजपा सरकार समस्या का निदान ढूंढने के बजाय इधर-उधर की बात कर रही है। प्रदर्शन के दौरान समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष डॉक्टर शशि यादव ने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर न उपलब्ध होने की वजह से महिला खाना नहीं बना पा रही है। गरीब परिवारों को भूखा रहना पड़ रहा है और मध्यम वर्ग के परिवारों के अधिकांश

लोग बाजार से बिस्कुट आदि खरीद कर पेट भर रहे हैं। लेकिन भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार गैस आपूर्ति कि सुचारु व्यवस्था करने के बजाय गैस सिलेंडर की कमी न होने का झूठा दावा कर की जनता और महिलाओं के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम कर रही है।

भाजपा सरकार का झूठ और फर्जी दावा कर जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियां से दूर भाग रही है। धरना-प्रदर्शन के दौरान डॉ महेंद्र नागर, इंद्र प्रधान, कृशान्त भाटी, सुनीता यादव, रूबी नागर एडवोकेट, नेहा पवार, विकास, जतन भाटी, विकास भनौता, मनोज शर्मा, ललिता यादव, प्रशांत भाटी, रईसहा खान, संजीदा बेगम, अनीता चौहान, मोहित नागर, समय भाटी, संजीव नागर, शिमला सागर, सुषमा सिंह, अनुराधा चौधरी, शीतल शर्मा, विपिन नागर, समीम खान, शहनाज खान, मीना, नीतू यादव, केके भाटी, उमेश प्रधान, विशाल, अमित भाटी, सिमरन, तनिश पवार, राजेश गौड़, मोहित भाटी एडवोकेट, खुशी सहित अन्य लोग शामिल रहे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन की तारीख का ऐलान, सीएम योगी ने प्रधानमंत्री को भेजा पत्र

नोएडा। उत्तर प्रदेश के करोड़ों लोगों का इंतजार अब खत्म होने वाला है। जेवर में बन रहे देश के सबसे बड़े हवाई अड्डे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन की औपचारिक तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि एयरपोर्ट के उद्घाटन के लिए 28 मार्च 2026 की तारीख प्रस्तावित की गई है और इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निमंत्रण पत्र भी भेज दिया है। यह खबर न केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे एनसीआर (NCR) के लिए नवरात्रि का सबसे बड़ा तोहफा साबित होने वाली है।

आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही DGCA ने इस एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस जारी कर दिया है। किसी भी एयरपोर्ट के संचालन के लिए यह लाइसेंस बेहद जरूरी होता है। इसका मतलब है कि एयरपोर्ट की सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी सुविधाएं तय मानकों पर खरी उतर चुकी हैं और अब यहां

से उड़ान शुरू करने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। जेवर में बन रहा यह एयरपोर्ट देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट्स में शामिल होने जा रहा है। इसे कई चरणों में विकसित किया जा रहा है।

पहले चरण में ही यह लाखों यात्रियों को सेवा देने में सक्षम होगा। आने वाले समय में इसके विस्तार के साथ इसकी क्षमता और सुविधाएं दोनों बढ़ाई जाएंगी।

इस एयरपोर्ट के शुरू होने से नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर और अलीगढ़ समेत आसपास के जिलों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। अब यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट तक लंबा सफर तय नहीं करना पड़ेगा। साथ ही इससे क्षेत्र में रोजगार, निवेश और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। हालांकि उद्घाटन की तारीख 28 मार्च प्रस्तावित की गई है, लेकिन फ्लाइट संचालन की सटीक तारीख उद्घाटन के बाद ही तय होगी। माना जा रहा है कि उद्घाटन के कुछ समय बाद यहां से नियमित उड़ानें शुरू हो सकती हैं।

पालम अग्निकांड: एक ही रास्ते ने ली 9 जिंदगियां

नई दिल्ली। दिल्ली का पालम इलाका बुधवार सुबह उस वक्त चीख-पुकार और अफरा-तफरी से भर गया, जब साध नगर की गली नंबर-2 स्थित एक चार मंजिली इमारत में भीषण आग लग गई। सुबह लगी इस आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें तीन मासूम बच्चियां भी हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस वक्त आग लगी उस समय इमारत में रह रहे अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। बिल्डिंग के अंदर सिर्फ एक ही संकरा रास्ता था, जो बाहर निकलने का जरिया था, लेकिन दुर्भाग्यवश वहीं सबसे ज्यादा आग भड़क रही थी। कुछ ही देर में कमरों में जहरीला धुआं भर गया, जिससे लोगों का दम घुटने लगा। बालकनियों में खड़े लोग मदद के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन लपटों की भयावहता के आगे कोई अंदर जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। इस भयावह मंजर के बीच एक पिता का साहसिक कदम सामने आया। राजेंद्र कश्यप के बेटे अनिल ने अपनी एक साल की मिताली बच्ची को बचाने के लिए उन्हें दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। नीचे खड़े लोगों ने किसी बच्ची को संभालने की कोशिश की। इस बीच अनिल भी नीचे कूद गए। उनके सिर में भी गंभीर चोट आई है। चश्मदीदों के मुताबिक एक व्यक्ति दमकल विभाग की सीढ़ी के जरिए नीचे उतर रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया। इस घटना ने बचाव कार्य की मुश्किलों को और बढ़ा दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार यह इमारत मार्केट के प्रधान राजेंद्र कश्यप की थी और इसका ढांचा किसी 'डेथ ट्रैप' से कम नहीं था। बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर ब्यूटी पार्लर, चूड़ी और कॉस्मेटिक का बड़ा शोरूम था, जहां भारी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखी गई थी। इसके अलावा कपड़ो का भी काम था। इसी कारण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। वहीं ऊपरी मंजिलों पर परिवार के करीब 15 सदस्य रहते थे। इमारत में आग से बचने के लिए कोई वैकल्पिक निकास नहीं था, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई। स्थानीय निवासी राजेश ने बताया कि आग करीब 6:45 बजे देखी गई थी, लेकिन दमकल की गाड़ियां करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंचीं। इतना ही नहीं, हाइड्रोलिक मशीन को चालू करने में भी काफी समय लग गया। गुस्साए लोगों ने पास की इमारत की दीवार तोड़कर अंदर जाने की कोशिश की, लेकिन घने धुएं के कारण कोई सफल नहीं हो सका। दमकल विभाग की करीब 30 गाड़ियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार हादसे में 9 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में प्रवेश (33), कमल (39), आशु उर्फ अनिल (35), लाडो (70), हिमांशी (22) और तीन नाबालिग बच्चियां (15, 6 और 3 वर्ष) शामिल हैं। इसके अलावा दीपिका (करीब 28 वर्ष) को अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित कर दिया गया। घायलों में अनिल (करीब 32 वर्ष) और एक दो साल की बच्ची का इलाज चल रहा है। वहीं सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सचिन (29) करीब 25 प्रतिशत तक झुलस गया है। घटना के बाद घायलों को मणिपाल और आईजीआई अस्पताल सहित विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कई लोगों को गंभीर हालत में लाया गया, जिनमें से अधिकांश को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस हादसे ने एक बार फिर राजधानी में अवैध निर्माण और अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ही निकास वाले भवन, ज्वलनशील सामान का भंडारण और सुरक्षा उपायों की कमी ने मिलकर इस हादसे को इतना भयावह बना दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते फायर सेफ्टी के इंतजाम किए गए होते और दमकल समय पर पहुंचती तो शायद कई जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि लापरवाही और सिस्टम की खामियों का दर्दनाक उदाहरण बनकर सामने आया है, जिसने कई परिवारों को हमेशा के लिए उजाड़ दिया।

केजरीवाल ने पालम अग्निकांड पर जताई चिंता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के पालम में हुई घटना पर गहरी चिंता जतायी। उन्होंने घटना को भयावह बताते हुए सरकार से कार्रवाई की मांग की। केजरीवाल ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा कि दिल्ली के पालम में हुई यह घटना बेहद दुखद है। पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे। केजरीवाल ने कहा कि राजधानी में लगातार सामने आ रही आग की घटनाएं चिंता का विषय हैं। संकरी गलियां, एक-दूसरे से सटी बहुमंजिला इमारतें और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था इस खतरे को और बढ़ा देती हैं। इस घटना पर सरकार की तरफ से ठोस और तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के पालम मेट्रो स्टेशन के पास बहुमंजिला इमारत में आग लग गई। इस घटना में अब तक सात लोगों की मौत हो गयी है, जबकि कई लोग जख्मी हैं।

पालम मेट्रो के पास आग लगने की घटना के बाद उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने व्यापक अग्नि सुरक्षा ऑडिट के निर्देश दिए

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की अपनी पहली बैठक की बुधवार को अध्यक्षता करते हुए पूरे शहर में व्यापक अग्नि सुरक्षा ऑडिट के निर्देश दिए। ये निर्देश दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम इलाके में एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने की घटना के बाद दिए गए जिसमें कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए हैं। उपराज्यपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आवासीय इमारत में आज आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर चर्चा की गई; ऐसी घटनाएं रोकने संबंधी कदमों को मजबूत करने के लिए इलाकों और संस्थानों में व्यापक अग्नि सुरक्षा ऑडिट के निर्देश दिए गए।'' मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी इस उच्चस्तरीय बैठक में शामिल हुईं जिसमें शहरी जलभराव और शहर में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की उपलब्धता जैसे अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई। गुप्ता ने आग लगने की घटना की मजिस्ट्रेट से जांच कराए जाने के भी आदेश दिए हैं। पोस्ट में कहा गया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्रिय आपदा जोखिम प्रबंधन के दृष्टिकोण के अनुरूप शहरी जलभराव कम करने के उपायों और दिल्ली में जलनिकासी योजना की समीक्षा की गई।'' उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा कि संधू ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण बदलती भू-राजनीतिक स्थिति के बीच एलपीजी, पीएनजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता की भी समीक्षा की।

संक्षिप्त खबरें

जर्जर पुल गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत, आप ने सरकार को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक जर्जर पुल के गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जिसे लेकर आम आदमी पार्टी के घोंडा विधानसभा के पूर्व संगठन मंत्री अरुण तोमर ने सरकार पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ट्रिपल इंजन सरकार की अनदेखी के कारण इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे आम जनता की जान जोखिम में पड़ रही है। अरुण तोमर के अनुसार, करीब 33 वर्ष पुराना यह पुल पूरी तरह जर्जर हो चुका था और बीते वर्ष जुलाई में इसे लोगों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया था। इसके बावजूद स्थानीय लोग बैरिकेडिंग हटाकर समय बचाने के लिए पुल का इस्तेमाल करते रहे, जिसके चलते यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि प्रशासन की लापरवाही के कारण पहले भी कई निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन सरकार इन घटनाओं से कोई सबक नहीं ले रही है। उन्होंने यह भी बताया कि पुल को बंद किए जाने के नौ माह बाद भी न तो उसकी मरम्मत की गई और न ही उसे हटाने की कोई कार्रवाई हुई।

कमानी ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली। कमानी ऑडिटोरियम में बुधवार शाम एक खास सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें गुरु शोवना नारायण और उनकी संस्था आसावरी ने 'कादंबरी: द पोएट्स म्यूज' नामक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। इसके साथ ही रिविजिटिंग टैगोर-सिंबल ऑफ मॉडर्न इंडियन कॉन्शसनेस विषय पर संवाद भी हुआ। इस कार्यक्रम में संगीता सक्सेना, अभिनेत्री शर्मिला टैगोर, पूर्व राज्यसभा सांसद पवन वर्मा, लेखिका सोनल कालरा और शिक्षाविद् डॉ. मंजू आरिफ समेत कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं।

IIT दिल्ली में एमटेक और पीएचडी के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी दिल्ली (आईआईआईटी-डी) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एमटेक और पीएचडी कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। संस्थान ने देशभर के इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं।संस्थान के अनुसार एमटेक कोर्स के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं, जबकि पीएचडी कार्यक्रमों के लिए आवेदन पहले से ही खुले हैं। एमटेक के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 13 अप्रैल 2026 तय की गई है, वहीं पीएचडी के लिए 8 अप्रैल 2026 तक आवेदन किया जा सकता है।एमटेक पाठ्यक्रमों में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) के अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा इंजीनियरिंग, इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी और मोबाइल कंप्यूटिंग जैसे विशेषीकरण उपलब्ध हैं। इसके अलावा सीएसई-रिसर्च, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) में वीएलएसआई, एंबेडेड सिस्टम्स, कम्युनिकेशन और मशीन लर्निंग तथा कंप्यूटेशनल बायोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भी अध्ययन का अवसर दिया जा रहा है।पीएचडी कार्यक्रम के तहत कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, कंप्यूटेशनल बायोलॉजी, ह्यूमन-सेंटर्ड डिजाइन, गणित और सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी जैसे विषय शामिल हैं। संस्थान के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रोफेसर सुमित जे.दरक ने कहा कि संस्थान के स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रम छात्रों को उन्नत ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं।

जगदीश ममगांई की पुस्तक 'ज़ख़्मों से जूझती दिल्ली, उम्मीदें ज़िन्दा हैं' का लोकार्पण

नई दिल्ली। दिल्ली के राज्य बनने और पहली विधानसभा के गठन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर शहरी मामलों के जानकार एवं एकीकृत दिल्ली नगर निगम की निर्माण समिति के पूर्व अध्यक्ष जगदीश ममगांई की पुस्तक 'ज़ख़्मों से जूझती दिल्ली, उम्मीदें जि़न्दा हैं' का लोकार्पण किया गया। यह पुस्तक दिल्ली को समर्पित की गई। कार्यक्रम में पत्रकार उमेश जोशी, मनोज वर्मा, रामनारायण श्रीवास्तव, देव सिंह रावत, श्रीकांत भाटिया, पूर्व महापौर मीरा अग्रवाल, महिला कल्याण एवं बाल विकास की पूर्व अध्यक्ष मालती वर्मा, सिटी जोन की पूर्व अध्यक्ष रेणुका गुप्ता सहित अनेक पार्षद, सामाजिक संगठनों और आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहकार भारती दिल्ली प्रांत अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने किया। इस अवसर पर जगदीश ममगांई ने दिल्ली की प्रशासनिक संरचना को जटिल बताते हुए कहा कि राजधानी होने के साथ-साथ दिल्ली एक प्रदेश भी है, जहां केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय निकाय मिलकर प्रशासनिक व्यवस्था संचालित करते हैं। उन्होंने कहा कि भूमि, कानून-व्यवस्था और सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर राज्य सरकार का नियंत्रण नहीं है, जिससे शासन-प्रशासन की प्रभावशीलता प्रभावित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि कई विषयों पर निर्णय लेने के लिए उपराज्यपाल की पूर्व अनुमति आवश्यक होती है, जिससे व्यवस्था और अधिक जटिल हो जाती है। ममगांई ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण, जल संकट और प्रशासनिक जवाबदेही की कमी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विभिन्न एजेंसियों और प्राधिकरणों के बीच तालमेल की कमी के कारण समस्याएं बढ़ रही हैं। साथ ही उन्होंने हरियाणा, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्ली की कई समस्याएं बाहरी कारकों से भी प्रभावित होती हैं।

उन्होंने अवैध कब्जों, अनधिकृत कॉलोनियों और भूमाफिया के बढ़ते प्रभाव पर भी गंभीर सवाल उठाए। ममगांई ने कहा कि केंद्र सरकार और संबंधित एजेंसियों की उदासीनता के कारण सरकारी जमीनों पर बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे हुए हैं। न्यायालयों के आदेशों के बावजूद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई न होने से कानून का भय कम हुआ है और अतिक्रमण को बढ़ावा मिला है। अपने संबोधन में उन्होंने दिल्ली के ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए ब्रिटिश काल में हुए अत्याचारों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली ने आजादी के संघर्ष में भारी बलिदान दिए, लेकिन आज भी कई ऐतिहासिक तथ्यों और घटनाओं को उचित स्थान नहीं मिल पाया है।

यमुना की सफाई पर सरकार गंभीर नहीं, नदी का पानी और हुआ जहरीला: शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक विपिन शर्मा ने यमुना नदी की सफाई को लेकर केंद्र और राज्य की 'ट्रिपल इंजन' सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के कई बड़े नेताओं ने यमुना को स्वच्छ और निर्मल बनाने का वादा किया था, लेकिन एक साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद स्थिति और खराब हो गई है। विपिन शर्मा ने कहा कि सरकार यमुना की सफाई को लेकर बड़े-बड़े दावे तो करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस काम नजर नहीं आता। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के वादों की तरह यमुना के झाग का रंग भी बदल गया है–सफेद से गुलाबी हो गया है। यदि इसे ही उपलब्धि माना जाए तो यह सरकार की विफलता का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, जलभराव और प्रदूषण जैसे सभी मुद्दों पर सरकार नाकाम साबित हुई है। यमुना के पानी का गुलाबी रंग देखकर लोग चिंतित हैं और विशेषज्ञों ने भी इसे लेकर गंभीर खतरे की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के जहरीले झाग से त्वचा संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, यमुना में दिखाई दे रहा गुलाबी झाग टॉक्सिक इंडस्ट्रियल वेस्ट का संकेत है। पर्यावरणविद पंकज सिंह ने बताया कि कालिंदी कुंज, मदनपुर खादर और आसपास के इलाकों में पिछले कई दिनों से पानी की सतह पर गुलाबी झाग दिखाई दे रहा है, जो बेहद खतरनाक है। सामान्यतः सफेद झाग घरेलू डिटर्जेंट या जैविक पदार्थों के कारण बनता है, जबकि गुलाबी झाग इंडस्ट्रियल डाई केमिकल की अधिक मात्रा की ओर इशारा करता है।

दिल्ली में चैत्र नवरात्र पर मंदिरों में विशेष स्वच्छता अभियान, एमसीडी ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली। चैत्र नवरात्र के अवसर पर दिल्ली में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने विशेष स्वच्छता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। एमसीडी की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने इस संबंध में सभी जोन के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सत्या शर्मा ने बताया कि नवरात्र के दौरान शहर के प्रमुख मंदिरों और उनके आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई को प्राथमिकता दी जाएगी। अभियान के तहत मंदिर परिसरों, सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर नियमित सफाई, कचरा उठान और स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मंदिरों के आसपास स्थित ढलाव घरों की सफाई रात्रि में ही सुनिश्चित की जाए, ताकि दिन के समय दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही, रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को भी विशेष रूप से सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए हैं। एमसीडी ने विशेष रूप से उन मंदिरों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इन स्थानों पर मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था, अतिरिक्त डस्टबिन की स्थापना और पूजा सामग्री के उचित निस्तारण के लिए विशेष प्रबंध किए जाएंगे। सत्या शर्मा ने कहा कि नवरात्र के दौरान स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करना निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं।

पुरानी दिल्ली में ईद की तैयारियां जोरों पर, खरीदारों से भरे बाजार हुए गुलजार

नई दिल्ली। पवित्र रमजान महीने के आखिरी दिनों में ईद की तैयारियों को लेकर बाजारों में काफी भीड़ उमड़ रही है। इसके मद्देनजर मुस्लिम बहुल जामा मस्जिद इलाके में बाजार सुबह 5 बजे तक खुल रहे हैं। भीड़ का आलम यह है कि यहां पर पैदल चलना भी दुश्वार नजर आ रहा है। लोग पूरी रात खरीदारी करने के साथ-साथ पुरानी दिल्ली के लज़ीज़ पकवानों का भी लुत्फ उठा रहे हैं। एक महीना रमजान का रोजा रखने के बाद ईद-उल-फित्र का त्यौहार पूरी अकीदत और ऐहतराम के साथ मनाया जाता है। ईद को माहे-रमजान का रोजा रखने का इनाम माना जाता है। इसलिए ईद पर मुसलमानों के जरिए नए कपड़े बनवाए जाते हैं। इसके अलावा खुशियां मनाने के लिए तरह-तरह के पकवान बनते हैं, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण सेवइयां होती हैं। इसे अपने घर वालों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों के साथ मिलजुलकर खाया जाता है। यही वजह है कि यहां बाजारों में बनारसी, लच्छा और मोटी समेत अलग-अलग तरह की सेवइयों की दुकानें सजी हैं, जिनकी लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं।

कालकाजी और झंडेवालान मंदिर के पास यातायात प्रभावित रहेगा

नई दिल्ली। चैत्र नवरात्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कालकाजी मंदिर और झंडेवालान माता मंदिर में दर्शन करने पहुंचेगे। इसे ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस ने व्यापक बंदोबस्त किए हैं। दोनों मंदिरों के आसपास 18 से 27 मार्च तक कुछ मार्गों में परिवर्तन लागू किया है, ताकि लोगों को जाम से बचाया जा सके। पुलिस ने लोगों के आउटर रिंग रोड, रानी झांसी रोड और देशबंधु गुप्ता रोड से बचने की सलाह दी है। गुरुवार से नवरात्र शुरू है। इसके चलते चिराग दिल्ली व सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर से मोदी मिल फ्लाईओवर तक आउटर रिंग रोड, क्राउन प्लाजा से कालकाजी मंदिर तक मां आनंदमयी मार्ग, कैप्टन गौर मार्ग और आस्था कुंज रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ने से जाम की संभावना है। इसके चलते गुरुवार को इन मार्गों पर भारी मालवाहक वाहनों का प्रवेश बंद रखा जा सकता है। आउटर रिंग रोड पर नेहरू प्लेस से मोदी मिल फ्लाईओवर के बीच वाहन खड़े करने पर पाबंदी है। केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करें। इसी तरह झंडेवालान माता मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचेंगे। ऐसे में रानी झांसी रोड और पहाड़गंज चौक से कालकादास चौक तक देशबंधु गुप्ता रोड पर यातायात प्रभावित रहेगा।वैकल्पिक मार्ग-करोल बाग व सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट जाने के लिए फैज रोड का उपयोग करें-आईएसबीटी कश्मीरी गेट जाने वालों के लिए पंचकुइयां रोड बेहतर विकल्प है-मथुरा रोड से सटे इलाकों के लोग आश्रम होते हुए एमजी रोड से एम्स की ओर जाएं-आईआईटी जाने के लिए एमजी रोड, अगस्त क्रांति मार्ग से हौज खास होते हुए जाएं

सुंदर नर्सरी में 'भारत ट्राइब्स फेस्ट' शुरू

नई दिल्ली। राजधानी के सुंदर नर्सरी में भारत ट्राइब्स फेस्ट का आयोजन 18 मार्च से शुरू हो गया है। यह 30 मार्च तक चलेगा। हुमायूं के मकबरे के सामने स्थित इस स्थल पर रोजाना सुबह 11 से रात आठ बजे तक लोग मेले का आनंद ले सकते हैं। इस फेस्ट में देश की विभिन्न जनजातीय समुदायों की कला, संस्कृति और हस्तशिल्प को करीब से देखने का मौका मिल रहा है। यहां पारंपरिक हस्तशिल्प, आभूषण, कपड़े और खानपान के स्टॉल लगाए गए हैं।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र –।

वरि० मंडल विद्युत अभियंता/कोचिंग कार्यालय द्वारा जारी निविदा जो कि निम्नलिखित कार्य के लिए थी, जो कि दिनांक 08.04.2026 को 15:01 बजे खोली जानी थी, टेंडर दस्तावेज़ों में कुछ जोड़ने या हटाने के कारण, फर्म को रेलवे की वेबसाइट से टेंडर दस्तावेज़ डाउनलोड करने होंगे। अन्य सभी नियम और शर्तें यथावत रहेंगी।

क्र सं0	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू0)	बयाना राशि (रू0)	कार्य समापन की अवधि
1.	30-विद्युत-11टी-कोचिंग-2025-26	दिल्ली मंडल के अंतर्गत आनंद विहार डिपो की प्राइमरी–बेस्ड शताब्दी/तेजस/शताब्दी–टाइप/राजधानी/दुरंतो/गतिमान/AC/एक्सप्रेस ट्रेनों में, वॉशिंग लाइन/सिक लाइन पर रखरखाव कार्यों के दौरान और ऑन–बोर्ड इलेक्ट्रिकल एस्कॉर्टिंग ड्यूटी के समय, AC कोचों के ताज़ी हवा और रिटर्न एयर फिल्टर, AC ग्रिल तथा कूलिंग/कंडेंसर कॉइल्स की सफाई का कार्य, तीन वर्षों की अवधि के लिए।	रू0 12,68,02,167.22	रू0 7,84,000/-	36 महीने

संख्या: 30–विद्युत–11टी–कोचिंग–2025–26 दिनांक: 17.03.2026 912/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा सं0 46265071 के लिए भारत के राष्ट्रपति की ओर से उनके लिए कार्यरत सहायक सामग्री प्रबंधक के द्वारा ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार है :–

1.	कार्य का नाम	CUMMINS ENGINE MODEL: NTA 855R SUITABLE FOR USE IN 08 WHEELER DETC TOWER WAGON (SO 60042)
2.	कार्य की अनुमानित लागत	Rs. 27869526.52/-
3.	मात्रा	04 नग
4.	निविदा की बोली प्रस्तुत (जमा) करने की तिथि एवं समय:	30-04-2026 (11:00 Hrs.)
5.	निविदा दस्तावेजों को खोलने की तिथि एवं समय	30-04-2026 (11:00 Hrs.)
6.	वेबसाइट की विवरण, जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in

टिप्पणी: (i) ई–निविदा प्रणाली में शामिल होने के लिए निविदादाता को भारतीय रेल ई–प्रापण प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात् www.ireps.gov.in पर पंजीकृत होना चाहिए। (ii) सभी नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया दस्तावेज देखें। (iii) कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं है। एनआईटी सं. 46265071 दिनांक :– 17.03.2026
930/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

नौ सालों में यूपी की छलांग

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने 9 साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। इस अवधि को 'नवनिर्माण के 9 साल' कहा गया है। इस अवधि को मुख्य रूप से बेहतर कानून व्यवस्था, राजमार्गों के जाल (6 संचालित, 11 निर्माणाधीन) और निवेश के माध्यम से सूबे को निवेश का बेहतरीन डेस्टिनेशन बनाने की प्रक्रिया भी कहा जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन नौ वर्षों को प्रदेश की सुरक्षा, सुशासन और विकास के रूप में एक नया चेहरा करार दिया है। योगी ने अपनी सरकार में हुए विकास के कार्यों का ब्योरा पेश करते हुए कहा कि भय मिटा कर प्रदेश में विकास की गंगा बहाई है। इस दौरान उन्होंने पूर्ववर्ती अखिलेश यादव की सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में प्रदेश में बनाए गए सुरक्षा के माहौल का असर है कि आज प्रदेश निवेश का बेहतरीन विकल्प बनकर उभरा है। इससे उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी ने अपनी सरकार ने नौ साल के कार्यकाल को 'नवनिर्माण के नौ साल बताया'। योगी ने कहा कि यह सुरक्षित वातावरण का ही असर है कि प्रदेश में लोग अपने त्योहार शांति पूर्वक मना रहे हैं और कहीं से भी किसी तरह के दंगा-फसाद की खबर नहीं आ रही है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। सूबे की सरकार ने दलितों, वंचितों, अतिपिछड़ों और गरीबों के कल्याण के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने सेवा क्षेत्र में प्रदेश को एक नई पहचान और आस्था को नई पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश का अन्नदाता किसान आत्महत्या की ओर जाने के बजाए सशक्त और उत्पादक बन रहा है। गन्ना किसानों का भुगतान भी संतुलित हुआ है। उन्होंने इसे सरकार की नीतियों और योजनाओं का नतीजा बताते हुए कहा कि इन प्रयासों ने किसानों को कर्ज के बोझ मुक्त कर उन्हें उत्पादक और आत्मनिर्भर बनाने में मदद की है। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में योगी ने कहा कि नौ वर्षों की यात्रा पूरी होने पर प्रदेश सरकार ने आगामी 1 अप्रैल से लागू होने वाले बजट में 9 लाख 12 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों को बधाई देते हुए इन उपलब्धियों को 25 करोड़ लोगों की सामूहिक शक्ति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

नवरात्रि: आंतरिक ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्थान का पर्व

योगेश कुमार गोयल

नवरात्रि महापर्व का भारतीय समाज में विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 19 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 27 मार्च को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण

उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया। मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुई अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड्ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का पर्व है, जो हमें संयम, साहस, तप और सदाचार का संदेश देता है। मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया। मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं।

जेन-जी में जागती सनातन चेतना

नीलेश वर्मा

भारत की नई पीढ़ी, जिसे आज आमतौर पर जेन-जी कहा जाता है, अपनी आधुनिक जीवनशैली के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक जड़ों की ओर भी तेजी से आकर्षित होती दिखाई दे रही है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न शहरों और कस्बों में होने वाले धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में युवाओं की बढ़ती भागीदारी इस बदलाव का स्पष्ट संकेत देती है। आधुनिक तकनीक, सोशल मीडिया और बदलती सामाजिक परिस्थितियों के बीच भी नई पीढ़ी का अपनी परंपराओं के प्रति झुकाव बढ़ना एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रवृत्ति के रूप में सामने आ रहा है। देश के अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सनातन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। बड़े-बड़े मंचों पर सनातनी भक्ति संगीत, भजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ एलईडी स्क्रीन के माध्यम से धार्मिक प्रसंगों, मंदिरों और देवी-देवताओं से जुड़े दृश्य दिखाए जाते हैं। कई आयोजनों में रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाओं को नृत्य-नाटक और नाट्य रूपांतरण के माध्यम से प्रस्तुत किया जा रहा है। इन प्रस्तुतियों में युवा कलाकारों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिलती है। दर्शकों में भी बड़ी संख्या में युवा शामिल होते हैं, जो इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्साह के साथ देखते और सराहते हैं। इन आयोजनों में प्रवेश हेतु टिकट एवं पास की व्यवस्था होती है, साउंड, लाइट एवं बैठक सहित अन्य व्यवस्थाओं पर आर्थिक व्यय होता है, जिसके बावजूद युवा आर्थिक सहयोग के साथ ही कार्यक्रम में सहभागिता करते हैं।

धार्मिक त्योहारों के समय यह रुझान और भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। दिवाली, होली, राम नवमी, दशहरा, नवरात्रि, करवा चौथ, शिवरात्रि और जन्माष्टमी जैसे पर्वों पर युवा पीढ़ी पूरे उत्साह और सक्रियता के साथ भाग लेती है। कई स्थानों पर युवा स्वयं झांकियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भजन संध्या और सामूहिक पूजा-अर्चना का आयोजन करते हैं। इन आयोजनों में पारंपरिक वेशभूषा, धार्मिक गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इससे युवाओं में अपनी सांस्कृतिक पहचान के प्रति गर्व और जुड़ाव की भावना भी विकसित होती है। सोशल मीडिया ने भी इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज की पीढ़ी मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से धार्मिक ग्रंथों, कथाओं और आध्यात्मिक विचारों तक आसानी से पहुंच बना रही है। विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गीता, रामायण, उपनिषद और अन्य धार्मिक साहित्य से जुड़े विचार, प्रेरक प्रसंग और भक्ति संगीत बड़ी संख्या में साझा किए जाते हैं। कई युवा आध्यात्मिक विषयों पर आधारित वीडियो, पॉडकास्ट और लेखों के माध्यम से सनातन परंपराओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रकार डिजिटल माध्यमों के जरिए शास्त्रों और आधुनिक जीवन के बीच एक नया संवाद स्थापित होता दिखाई दे रहा है।

आज की युवा पीढ़ी में धार्मिक तीर्थ यात्राओं के प्रति भी उल्लेखनीय उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में युवा देश के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा कर आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं। विशेष रूप से चारधाम यात्रा, बारह ज्योतिर्लिंग के दर्शन, 51 शक्ति पीठों की यात्राएं, दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिर तिरुपति बालाजी मंदिर के दर्शन, उत्तराखंड स्थित केदारनाथ मंदिर, जम्मू-कश्मीर के पवित्र धाम माता वैष्णो देवी मंदिर तथा राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम जी का प्रसिद्ध मंदिर की यात्रा व दर्शन युवाओं के लिए प्रमुख आकर्षण बनती जा रही है। कई युवा समूहों में इन तीर्थों की यात्रा करते हैं और अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर भी साझा करते हैं। इससे न केवल आस्था का प्रसार होता है, बल्कि अन्य युवाओं में भी इन पवित्र स्थलों के दर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच भी नई पीढ़ी अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का प्रयास कर रही है। आज की युवा पीढ़ी में सनातन परंपराओं से जुड़े संतों और आध्यात्मिक वक्ताओं के प्रति भी विशेष आकर्षण दिखाई दे रहा है। देश के विभिन्न स्थानों पर होने वाले सत्संग, कथा और धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में युवा भाग लेते हैं। विशेष रूप से प्रेमानंद जी महाराज, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम सरकार), जया किशोरी, देवकीनंदन ठाकुर और मुरारी बापू जैसे सनातनी संतों और कथावाचकों के प्रवचन युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। इनके सत्संगों में धर्म, भक्ति, संस्कार और भारतीय जीवन मूल्यों की सरल व्याख्या की जाती है, जिसे युवा आसानी से समझ पाते हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के जरिए इनके प्रवचन लाखों युवाओं तक पहुंच रहे हैं, जिससे नई पीढ़ी में सनातन संस्कृति, आध्यात्मिकता और पौराणिक परंपराओं के प्रति रुचि और जागरूकता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है।

युवाओं के बीच योग, ध्यान और भारतीय जीवन मूल्यों के प्रति भी रुचि बढ़ती दिखाई दे रही है। कई युवा अपने दैनिक जीवन में योग और ध्यान को शामिल कर रहे हैं तथा भारतीय दर्शन और आध्यात्मिक विचारों को समझने का प्रयास कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि एक संतुलित और सकारात्मक जीवनशैली की खोज से भी जुड़ी हुई है। वास्तव में आधुनिक तकनीक और पारंपरिक आस्था का यह संगम एक नई सांस्कृतिक प्रवृत्ति को जन्म दे रहा है। जहां एक ओर युवा आधुनिक शिक्षा, तकनीक और वैश्विक अवसरों के साथ आगे बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वेयोग एवं आध्यात्म से जीवन में शांति व अच्छे स्वास्थ्य को भी महत्व दे रहे हैं। इस बदलते परिदृश्य को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि भारत की जेन-जी केवल आधुनिकता की ओर ही नहीं बढ़ रही, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान को भी नए रूप में समझने और अपनाने का प्रयास कर रही है। भारत ही नहीं विश्व के लोकप्रिय नेता और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी सनातन परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं पुनरुत्थान पर विशेष बल दिया है। देश के कई प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास, पुनर्निर्माण और भव्य स्वरूप में पुनर्स्थापन के प्रयासों ने युवाओं का ध्यान अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर आकर्षित किया है। प्रधानमंत्री जी के सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों पर ऐसे कार्यक्रमों का व्यापक प्रसार हो रहा है, जिसे नई पीढ़ी उत्साह के साथ देखती और साझा कर रही है। जो युवाओं में सनातन संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति प्रेम और आकर्षण को प्रकट करती है। वर्तमान समय में सनातन परंपराओं, पौराणिक कथाओं और भारतीय आध्यात्मिक विचारों पर आधारित कई फिल्मों ने युवाओं को विशेष रूप से आकर्षित किया है। ऐसी फिल्मों ने केवल मनोरंजन ही नहीं किया, बल्कि संस्कृति और धार्मिक कथाओं के प्रति नई पीढ़ी की जिज्ञासा को भी बढ़ाया है।

जब मुश्किल में हों प्राण, पढ़ें बजरंगबाण

क्या आप भयंकर मुसीबत से घिरे हैं? क्या परेशानियों से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा? अगर ऐसा है तो बजरंगबली का बजरंगबाण आपकी सहायता कर सकता है। कहा जाता है कि जहां बजरंगबाण का पाठ किया जाता है, वहां हनुमान जी स्वयं आ जाते हैं।

क्यों है बजरंग बाण अचूक?

पवनपुत्र श्रीराम के भक्त हैं। आप श्रीराम का नाम लें और हनुमान जी आपकी मदद के लिए न आएं ऐसा नहीं हो सकता, क्योंकि बजरंग बाण में हनुमान जी के आराध्य श्रीराम की सौगंध दिलाई गई है। इसलिए जब आप श्रीराम के नाम की सौगंध उठाएंगे तो फिर हनुमान जी आपकी रक्षा करने जरुर आएंगे। बजरंग बाण में श्रीराम की सौगंध इन पंक्तियों में दिलाई गई है-

-भूत प्रेत पिशाच निसाचर। अगिन बेताल काल मारी मर

-इन्हें मारु, तोहिं सपथ राम की। राखु नाथ मर्याद नाम की।

-जनक सुता हरि दास कहावौ। ताकी सपथ विलम्ब न लावौ।

-उठु उठु चलु तोहिं राम दोहाई। पांय परौं कर जोरि मनाई

धर्मकर्म

कैसे पढ़ें बजरंगबाण?

-पहले गुरु और गणेश का ध्यान करें

-श्रीसीता राम का ध्यान करना करें

-हनुमान जी का ध्यान कर उनसे मनोकामना कहें

-बजरंगबाण के पाठ का संकल्प करें

-भगवान श्रीराम का कीर्तन करें फिर हनुमान चालिसा पढ़ें

कब पढ़ें बजरंगबाण?

-नौकरी में भयंकर मुश्किल हो....

-नौकरी छूट गई हो या छूटने वाली हो

-तंत्र मंत्र से किसी ने बाधा पहुंचाई हो

-संकट में कभी भी पढ़ सकते हैं बजरंगबाण

-ब्रह्ममुहूर्त और रात में सोने से पहले पाठ करने का बहुत फल मिलता है

-संकट से तुरंत मुक्ति दिलाता है बजरंगबाण

आज का इतिहास

1279 - मंगोलों ने चीन के सांग वंश का अंत किया।
1571 - स्पेन की सैन्य टुकड़ियों ने मनीला पर कब्जा किया।
1920 - अमेरिकी सीनेट ने वर्साय की संधि को खारिज किया।
1944 - आजाद हिंद फौज ने पूर्वोत्तर भारत में मुख्य भूमि पर राष्ट्रध्वज फहराया।
1965 - इंडोनेशिया ने सभी विदेशी तेल कंपनियों का राष्ट्रीयकरण किया।
1972 - भारत और बांग्लादेश के बीच में मित्रता संधि पर हस्ताक्षर किया।
1982 - ब्रिटेन एवं बेटिकन में 400 वर्षों के अंतराल के बाद राजनयिक संबंध स्थापित।
1990 - विश्व की आईआईएचएफ अनुमोदित पहली महिला आइस हॉकी का आयोजन।
1996 - बोस्निया हर्जेगोविना की राजधानी सरायेवो का पुनः एकीकरण।
1998 - अटल बिहारी वाजपेयी ने दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री का पद संभाला।
1999 - यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष जैकस सांटर का अपने पद से इस्तीफ़ा।
2001 - तालिबान द्वारा 100 गायों की बलि, ब्रिटेन के उच्च सदन ने संगीतकार नदीम के प्रत्यर्पण का प्रस्ताव ठुकराया।
2001 - ब्रिटेन के उच्च सदन ने संगीतकार नदीम के प्रत्यर्पण का प्रस्ताव ठुकराया।
2004 - अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन में पहली बार चीन पर मुकदमा ठोका।
2005 - पाकिस्तान ने शाहीन-II प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण किया।
2007 - पाकिस्तान की मुख्तारन माई को यूरोपीय परिषद का मानवाधिकार सम्मान प्रदान किया गया।
2008 - डोनकुपर रॉय ने मेघालय के नये मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।
2008 - पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने सबरजीत की फांसी 30 अप्रैल, 2008 तक रोकी।
2008 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार पर बने नये मसौदे को भारत सहित अधिकतर देशों ने खारिज किया।
2009 - डालर के मुक़ाबले में रुपया 93 पैसे की लम्बी छलांग लगाकर तीन सप्ताह के उच्चतर स्तर पर पहुँचा।

वृद्धावस्था में स्वास्थ्य सुधार व सार्थक भूमिका

भारत डोगरा

सुधार के प्रयासों के बावजूद वृद्धावस्था में अपंगता, अपने जरूरी कार्यों को न कर पाने की अक्षमता व असहाय स्थिति की संभावना विभिन्न कारणों से किसी भी समाज के अनेक वृद्ध व्यक्तियों को प्रभावित कर सकती है। इसके लिए केयर या देखभाल की सुविधाएं वृद्ध व्यक्तियों के लिए संतोषजनक ढंग से उपलब्ध होनी चाहिए।

आर्थिक-सामाजिक विकास व बढ़ती अनुमानित आयु के साथ विश्व की जनसंख्या में वृद्ध व्यक्तियों का प्रतिशत बढ़ रहा है। इसके साथ यह जरूरत भी बढ़ रही है वृद्धावस्था में स्वास्थ्य ठीक बना रहे व समाज में सार्थक योगदान देने की स्थिति बनी रहे। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित स्वस्थ वृद्धावस्था का दशक भी इन दिनों मनाया जा रहा है। वृद्धावस्था में स्वस्थ बने होने के तीन पक्षों को विशेष तौर पर रेखांकित किया जा सकता है। पहला तो यह है कि वृद्धावस्था में होने वाली दुर्घटनाओं को न्यूनतम किया जाए क्योंकि एक बड़ी दुर्घटना होने पर वृद्धावस्था में उससे उबर कर स्वस्थ जीवन बिताने की संभावना कम हो जाती है, शारीरिक अक्षमता व असक्रियता की संभावना बढ़ जाती है और इस स्थिति में अनेक अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ने लगती हैं। विशेषकर गिरने की दुर्घटनाएं वृद्धावस्था में अधिक होती हैं। ऐसी दुर्घटनाओं के अधिक होने के समाचार हमें अपने आसपास के परिवेश से मिलते ही रहते हैं। यह विभिन्न संदर्भों में निर्धन व धनी

परिवारों दोनों में देखा जाता है। जहां ऊबड़-खाबड़ व पथरीली जमीन में निर्धन वृद्ध अधिक गिरते हैं, वहां अधिक चमकीले व फिसलन वाले आवासों के कारण धनी परिवारों के वृद्ध भी अधिक गिर सकते हैं।

विश्व स्तर की स्थिति के बारे में बर्डन ऑफ डिजीज अध्ययन के आंकड़ों के आधार पर बताया गया है कि एक वर्ष में (वर्ष 2021 में) विश्व में गिरने से 5.5 लाख वृद्ध व्यक्तियों की मृत्यु हुई जबकि केवल दक्षिण एशिया में इस वर्ष गिरने से 1.7 लाख वृद्ध व्यक्तियों की मृत्यु हुई। जहां गिरने से मौत होती है ऐसी प्रत्येक दुर्घटना पर ऐसी अनेक दुर्घटनाएं होती हैं जिनसे गंभीर चोट लग जाए या अपंगता हो जाए। अतः वृद्ध व्यक्तियों में दुर्घटनाओं और विशेषकर गिरने वाली दुर्घटनाओं को कम करने पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए वृद्ध व्यक्तियों के आसपास की स्थितियों को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है व उनके द्वारा अपनाई जाने वाली सावधानियों को भी बढ़ाया जा सकता है।

वृद्ध व्यक्तियों के स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इस स्वास्थ्य की बेहतरी के अनेक प्रयास तब ही असरदार होंगे यदि वे वृद्धावस्था में प्रवेश करने से कुछ वर्ष पहले ही आरंभ हो जाएं व हो सके तो 45 से 50 वर्ष की आयु के आसपास ही आरंभ हो जाएं। धूम्रपान, तंबाकू, शराब आदि को छोड़ने के बारे में कहा जा सकता है कि यह तो वृद्धावस्था के प्रवेश से बहुत पहले ही हो जाना चाहिए। इसी तरह अनुचित खाद्यों के सेवन व स्वास्थ्य के प्रतिकूल अन्य आदतों के बारे में भी यह कहा जा सकता है। यदि जरूरी सावधानी अनेक वर्ष पहले अपना ली जाए तो वृद्धावस्था के प्रवेश द्वार पर अनेक गंभीर बीमारियों व स्वास्थ्य समस्याओं की संभावना कम हो जाएगी।

तीसरा पक्ष मानसिक व भावनात्मक समस्याओं से जुड़ा है। इस तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को वृद्धावस्था में कम करने में समुदाय व परिवार की भी महत्वपूर्ण भूमिका है व वृद्ध व्यक्ति अपने प्रयासों से भी सुधार कर सकते हैं। वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है व इसके लिए सभी वृद्ध व्यक्तियों, पुरुषों व महिलाओं के लिए समुचित पेंशन की व्यवस्था होनी चाहिए, फि र चाहे वे जीवन भर किसी भी तरह के रोजगार या स्व-रोजगार से जुड़े रहे हों या उन्होंने घरेलू जिम्मेदारियों को ही संभाला हो।

सुधार के प्रयासों के बावजूद वृद्धावस्था में अपंगता, अपने जरूरी कार्यों को न कर पाने की अक्षमता व असहाय स्थिति की संभावना विभिन्न कारणों से किसी भी समाज के अनेक वृद्ध व्यक्तियों को प्रभावित कर सकती है। इसके लिए केयर या देखभाल की सुविधाएं वृद्ध व्यक्तियों के लिए संतोषजनक ढंग से उपलब्ध होनी चाहिए। हालांकि केयर सेवाओं की उपस्थिति विभिन्न समाजों में बढ़ रही हैं, पर कई बार यह वृद्धि इस तरह से होती है कि जो समाज की वास्तविक जरूरतों के अनुकूल नहीं होती हैं। केयर उद्योग ऐसा नही है जो मुनाफे के अर्थशास्त्र से पूरी तरह नियंत्रित होने पर सही सेवा दे सके। मुनाफे के आधार पर चलने से केयर उद्योग केवल धनी व्यक्तियों या परिवारों को अपनी सेवाएं उपलब्ध होने पर केंद्रित हो जाएगा, जबकि समाज को सभी स्तर पर, मध्यम वर्ग के स्तर पर, कम आय के स्तर पर, शहरी व ग्रामीण दोनों स्तर पर केयर सुविधाओं की जरूरत है। अतः अनुकू ल केयर सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार को उचित नीतियों से सही माहौल बनाना होगा व इस प्रयास में, विशेषकर मध्यम व निर्धन वर्ग के लिए तथा दूर-दूर के गांवों के लिए केयर सुविधा उपलब्ध करवाने में स्वैच्छिक संस्थाओं व समाजसेवियों की भी महत्वपूर्ण व बहुत उपयोगी भूमिका हो सकती है। कुछ स्वैच्छिक संस्थाएं इस समय भी वृद्ध व्यक्तियों व विशेषकर ग्रामीण तथा निर्धन वर्ग के वृद्ध व्यक्तियों की बेहतरी के लिए उल्लेखनीय प्रयास कर रही हैं। दक्षिण राजस्थान के अनेक गांवों में अर्थ संस्था (एक्शन, रिसर्च, ट्रेनिंग फार हैल्थ) के 'प्रबल यात्रा प्रयास ने विशेषकर सुरक्षा बढ़ाई है व दुर्घटनाओं को कम करने, पोषण की स्थिति सुधारने, अनेक स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने में व कठिन समय में सहायता पहुंचाने की दृष्टि से दूर-दूर के अनेक गांवों में सराहनीय प्रयास किए हैं। विभिन्न सरकारी सुविधाओं को वृद्ध नागरिकों तक पहुंचाने के लिए भी यह प्रयास सक्रिय रहा है। इस तरह के प्रयासों की समाज में आवश्यकता बढ़ रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

राजनीति में 'फुल स्टॉप' नहीं होता, जनसेवा सदन के बाहर भी जारी रहती है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अप्रैल से जुलाई के बीच सेवानिवृत्त हो रहे राज्यसभा के 59 सदस्यों को विदाई देते हुए कहा कि राजनीति में कभी 'पूर्ण विराम' नहीं होता और जनसेवा का कार्य सदन के बाहर भी निरंतर जारी रहता है।

उन्होंने कहा कि संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि एक 'ओपन यूनिवर्सिटी' है, जहां हर सदस्य को सीखने, विचार साझा करने और खुद को विकसित करने का अवसर मिलता है। राज्यसभा में आयोजित विदाई समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सदन में विभिन्न विषयों पर होने वाली चर्चाओं में हर सदस्य का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कार्यकाल के दौरान खट्टे-मीठे अनुभव भी सामने आते हैं, लेकिन विदाई के समय सभी दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर एक समान भावना व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विदाई ले रहे

कुछ सदस्य भविष्य में फिर से सदन में लौट सकते हैं, जबकि कुछ अपने अनुभवों के आधार पर सामाजिक जीवन में नए योगदान की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि जो सदस्य जा रहे हैं, उन्हें मैं कहना चाहता हूं कि राजनीति में कोई फुल स्टॉप नहीं होता है। भविष्य आपका इंतजार कर रहा है और आपका अनुभव राष्ट्र जीवन में हमेशा उपयोगी रहेगा। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने एचडी देवगौड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार आदि वरिष्ठ नेताओं के योगदान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि लंबे संसदीय अनुभव वाले नेताओं से नई पीढ़ी को बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संसदीय कार्यप्रणाली को समर्पित किया है और उनका अनुभव लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की सराहना करते हुए उन्हें मृदुभाषी और कुशल संचालक बताया।

उन्होंने कहा कि सदन को सुचारु रूप से चलाने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हरिवंश सदन के बाहर भी युवाओं के बीच सक्रिय रहते हैं और उन्हें देश की परिस्थितियों से अवगत कराने का कार्य करते हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने रामदास अठावले के हास्यपूर्ण और व्यंग्यात्मक अंदाज का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में 24x7 मीडिया के कारण सदन में हास्य-विनोद के अवसर कम हो गए हैं, लेकिन अठावले अपने अंदाज से वातावरण को सहज बनाए रखते हैं और लोगों को जोड़ने का कार्य करते हैं। प्रधानमंत्री ने संसदीय प्रणाली में 'सेकंड ओपिनियन' की अवधारणा को लोकतंत्र की बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि एक सदन में लिए गए निर्णय दूसरे सदन में विचार के लिए जाते हैं, जिससे निर्णय प्रक्रिया और अधिक समृद्ध और व्यापक बनती है। यह व्यवस्था लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होती है।

उन्होंने कहा कि हर दो वर्ष में राज्यसभा के एक बड़े समूह का कार्यकाल समाप्त होता है, लेकिन यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। नए सदस्यों को पुराने सदस्यों के अनुभव का लाभ मिलता है, जिससे सदन की कार्यप्रणाली में निरंतरता बनी रहती है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि जो सदस्य अभी सदन में बने रहेंगे, वे नए सांसदों का मार्गदर्शन करेंगे और संस्था को और मजबूत बनाएंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि विदाई ले रहे कई सांसदों को पुराने और नए दोनों संसद भवनों में कार्य करने का अवसर मिला, जो उनके सार्वजनिक जीवन की एक विशेष उपलब्धि और यादगार अनुभव रहेगा। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन के निर्माण और उसकी कार्यप्रणाली में भागीदारी इन सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण स्मृति के रूप में हमेशा बनी रहेगी।

अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद में बिताए गए छह वर्ष किसी भी सदस्य के जीवन को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह केवल निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनने का अवसर नहीं होता, बल्कि व्यक्तिगत विकास और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को व्यापक बनाने का भी माध्यम होता है। उन्होंने विदाई ले रहे सभी सांसदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका अनुभव राष्ट्र निर्माण में आगे भी उपयोगी रहेगा, चाहे वे किसी भी भूमिका में क्यों न हों। प्रधानमंत्री ने सभी सदस्यों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेवानिवृत्ति अंत नहीं, नई जिम्मेदारियों की शुरुआत: राधाकृष्णन

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने आगामी अप्रैल से जुलाई के बीच अपना कार्यकाल पूरा कर सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को विदाई देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति को अंत नहीं, बल्कि नई भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की शुरुआत के रूप में देखना चाहिए।

सभापति ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान के प्रावधानों के अनुसार हर दो वर्ष में सदन के एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं, जिससे सदन की कार्यप्रणाली में निरंतरता बनी रहती है और नए सदस्यों को अपने विचार रखने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, जो अनुभव और नई ऊर्जा के संतुलन को बनाए रखती है। सेवानिवृत्ति अंत नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों की शुरुआत है। यह परंपरा नए सदस्यों को अवसर देने के साथ-साथ अनुभवी सदस्यों के मार्गदर्शन को भी बनाए रखती है। सेवानिवृत्त सदस्य अपने अनुभव और ज्ञान के माध्यम से आगे भी सार्वजनिक जीवन में योगदान देते रहेंगे। विदाई भाषण में सभापति ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के योगदान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों और ग्रामीण भारत से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से सदन में उठाया।

बड़े वाहनों के बॉडी निर्माता संघ के प्रतिनिधियों के साथ राहुल-प्रियंका ने गडकरी से मुलाकात की

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद भवन परिसर स्थित कार्यालय में बुधवार को राजस्थान के छोटे ट्रक एवं बस बॉडी बनाने वाले निर्माता संघ के प्रतिनिधियों के साथ उनके मुद्दों को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की।

सूत्रों ने बताया कि इस दौरान निर्माता संघ ने सरकार द्वारा तय किए गए नए मानकों और अत्यधिक फीस को लेकर चिंता जताई। प्रतिनिधियों ने कहा कि इन नियमों और शुल्कों के कारण कई छोटे मैन्युफैक्चरर्स का काम बंद होने की स्थिति में है, जिससे लाखों परिवारों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। बैठक में गडकरी ने राहुल गांधी और अन्य प्रतिनिधियों को बताया कि बस बॉडी बनाने वाले कई निर्माता नियमों का पालन नहीं करते हैं। कुछ निर्माता ऐसी बॉडी बना देते हैं कि आग लगने की स्थिति में यात्रियों के बाहर निकलने का रास्ता नहीं रहता। स्लीपर बसों में आग लगने की घटनाओं के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नए मानक तय किए हैं और इनका पालन अनिवार्य है। गडकरी ने कहा कि सरकार छोटे निर्माताओं की चिंताओं पर विचार करेगी और समाधान की दिशा में काम करेगी।

हिमाचल सरकार ने अधिकारियों के लिए 'पार्टी परिधानों' पर प्रतिबंध लगाया

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए सख्त ड्रेस कोड लागू किया है, जिसके तहत दफ्तरों और अदालतों में अब वे जींस, टी-शर्ट और पार्टी परिधान पहन कर नहीं जा सकेंगे। इसके साथ ही, कर्मचारियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकारी नीतियों पर टिप्पणी करने से भी मना किया गया है। प्रदेश के मुख्य सचिव संजय गुप्ता की ओर से जारी विस्तृत दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए औपचारिक, साफ-सुथरे और सादे रंगों के शालीन कपड़े पहनना अनिवार्य किया गया है। दिशानिर्देशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कार्यालय में या अदालत में पेश होते समय कैजुअल या पार्टी परिधान पहनना वर्जित होगा। इसके अनुसार, पुरुष कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड में कॉलर वाली शर्ट के साथ पैंट या ट्राउज़र पहनना अनिवार्य किया गया है, साथ ही उपयुक्त फुटवियर जैसे जूते या सैंडल पहनने होंगे। महिला कर्मचारियों के लिए साड़ी, सूट, सलवार, चूड़ीदार या दुपट्टे के साथ कुर्ता पहनना आवश्यक है। इसमें कहा गया है कि इसके अलावा महिलायें ट्राउजर, पैंट और शर्ट के साथ चप्पल, सैंडल या जूते भी पहन सकती हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि जींस और टी-शर्ट की अनुमति नहीं होगी। सरकार ने कहा कि उसके समक्ष ऐसे मामले सामने आये, जहां कर्मचारी कैजुअल कपड़े पहन रहे थे और अपने निजी सोशल मीडिया खातों का उपयोग सरकारी योजनाओं को साझा करने या उत्पादों का समर्थन करने के लिए कर रहे थे।

एलपीजी सिलेंडर बुकिंग के बाद इंतजार करें, वितरणकर्ताओं के यहां लाइन लगाने से बचें: सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोगों से अपील की है कि लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडर की बुकिंग के बाद इंतजार करें और वितरणकर्ताओं के यहां लाइन लगाने से बचें। वर्तमान में एलपीजी की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है लेकिन घरेलू उपभोक्ताओं को पर्याप्त वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं बुकिंग के लिए अब 93 प्रतिशत लोग ऑनलाइन तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकार ने लोगों से अफवाहों पर विश्वास नहीं करने और गैस का उचित उपयोग करने को कहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भले ही कीमतें बढ़ रही हों, फिलहाल भारत में डीजल-पेट्रोल की कीमतों में कोई इजाफा नहीं होगा।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बुधवार को राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि कच्चे तेल की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है और रिफाइनरियां

पूरी क्षमता से काम कर रही है। घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खुदरा दुकानों पर पेट्रोल और डीजल की कमी की कोई खबर नहीं है और पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों, विशेषकर छात्रों के लिए, आर्मेनिया और अज़रबैजान की भूमि सीमा से यात्रा करने के संबंध में एक सलाह जारी की है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सुगम सीमा पार आवागमन के लिए अपनी सुविधानुसार इस सलाह का पालन करें। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की।

उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की, जिनमें निर्दोष लोगों की जान गई और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। दोनों नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने पर जोर दिया और शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि सभी भारतीय पोत सुरक्षित हैं और कोई घटना दर्ज नहीं की गई है। पिछले 24 घंटों में विभिन्न बंदरगाहों से साइन-ऑफ के बाद 25 भारतीय नागरिकों को स्वदेश वापस भेजा गया। 24×7 नियंत्रण कक्ष ने 125 कॉल और लगभग 450 ईमेल संभाले, जिनका तुरंत समाधान किया गया। एलपीजी वाहक शिवालिक और नंदा देवी आवश्यकतानुसार माल उतार रहे हैं। विशाखापत्तनम बंदरगाह पर अतिरिक्त 2,500 वर्ग मीटर स्थान से संचालन में सहायता मिल रही है। किसी भी बंदरगाह पर भीड़भाड़ की सूचना नहीं है।

विधानसभा चुनाव के लिए हर 70 मतदाता पर एक चुनाव कर्मी की तैनाती

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पांच राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव के विभिन्न चरणों को सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए 25 लाख से अधिक चुनाव कर्मियों को तैनात किया है। इन चुनावों में पात्र मतदाताओं की संख्या 17.4 करोड़ से अधिक है। यानी लगभग हर 70 मतदाता पर एक चुनावकर्मी तैनात है।

चुनाव आयोग के अनुसार तैनात कर्मियों में लगभग 15 लाख मतदानकर्मी, 8.5 लाख सुरक्षाकर्मी, 40 हजार मतगणना कर्मी, 49 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक, 21 हजार सेक्टर अधिकारी, मतगणना के लिए 15 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी शामिल हैं। आयोग के अनुसार 21 लाख से अधिक बीएलओ सहित जमीनी स्तर की चुनाव मशीनरी मतदाताओं के लिए फोन कॉल और ईसीआईएनईट ऐप पर बीएलओ को कॉल बुक करने की सुविधा के माध्यम से उपलब्ध है। डीईओ/आरओ स्तर पर किसी भी शिकायत/प्रश्न को दर्ज करने के लिए कॉल सेंटर नंबर +91 (एसटीडी कोड) 1950 भी उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा था कि अधिकारियों को पूरी निष्पक्षता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव हिंसा और प्रलोभन से मुक्त हों और प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के मतदान कर सके।

इससे पहले आम चुनाव और उपचुनावों के दौरान आयोग की निगरानी के लिए 832 विधानसभा क्षेत्रों में 1,111 केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया था। इनमें 557 सामान्य पर्यवेक्षक, 188 पुलिस पर्यवेक्षक और 366 व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं।

28 फरवरी से लेकर अब तक पश्चिम एशिया से 2.6 लाख लोग भारत लौट चुके हैं : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच, सरकार ने बुधवार को कहा कि 28 फरवरी से अब तक इस क्षेत्र से लगभग 2.6 लाख लोग भारत लौट चुके हैं।

पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर यहां एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में, विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर. महाजन ने कहा कि बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विभिन्न हवाई अड्डों से भारत के विभिन्न गंतव्यों के लिए लगभग 70 उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत के बारे में बताया। जायसवाल ने कहा कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात पर हुए हमलों की एक बार फिर कड़ी निंदा की, जिनके परिणामस्वरूप निर्दोष लोगों की जान गई और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। जायसवाल ने बताया कि दोनों नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और

निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करने के महत्व पर सहमति व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों नेता क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

अमेरिका-इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमला किए जाने के बाद से यह दूसरी बार था जब मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति से बात की। ईरान ने जवाबी हमला करते हुए खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। जायसवाल ने बताया कि तेहरान स्थित भारतीय दूतावास भारतीय नागरिकों, विशेषकर छात्रों की सहायता कर रहा है।

उन्होंने कहा कि कई और भारतीयों ने आर्मेनिया और अजरबैजान जाने के लिए ईरानी सीमा पार करने की इच्छा व्यक्त की है। महाजन ने कहा कि विदेश मंत्रालय खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रम पर लगातार नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि हम नाविकों और फंसे हुए भारतीय नागरिकों को सहायता प्रदान करने के साथ ही कांसुलर सेवाएं जारी रखे हुए हैं। हमने खाड़ी क्षेत्र में भारतीय छात्रों की मदद के लिए विशेष प्रयास किए हैं।

महाजन ने पत्रकारों को बताया कि 28 फरवरी से अब तक पश्चिम एशिया क्षेत्र से लगभग 2.6 लाख लोग भारत लौट चुके हैं।

असम से कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई भाजपा में शामिल

गुवाहाटी/नई दिल्ली। असम के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के पार्टी से इस्तीफा देने के बाद वह औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गये। इसके साथ ही असम विधानसभा चुनाव 2026 के ऐन मौके पर कांग्रेस पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है।

सांसद प्रद्युत बोरदोलोई बुधवार को नई दिल्ली में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया की मौजूदगी में औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा, भाजपा सांसद प्रदान बरुवा, सांसद कामाख्या प्रसाद तासा आदि मौजूद थे। यह स्थिति असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के भाजपा में शामिल होने के एक महीने से भी कम समय के अंदर उत्पन्न हुई है। इससे चुनावों से पहले कांग्रेस के नेतृत्व आधार में लगातार हो रही कमी को लेकर पार्टी के भीतर चिंताएं और बढ़ गई हैं। बोरदोलोई के जाने से, कांग्रेस ने अब असम से अपने तीन मौजूदा सांसदों में से एक को खो दिया है। ऐसे अहम समय पर पार्टी की संसदीय मौजूदगी कमजोर हुई है, जब सभी पार्टियां पूरे राज्य में अपने चुनावी अभियान तेज कर रही हैं। प्रद्युत बोरदोलोई नगांव लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे और पाला बदलने से पहले उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा बीती रात को सौंप दिया था।

इस दलबदल का समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चुनावों से पहले बढ़ी हुई राजनीतिक सरगर्मी और रणनीतिक बदलावों के बीच हुआ है। बोरदोलोई के जाने को कांग्रेस के लिए एक प्रतीकात्मक और संगठनात्मक, दोनों तरह के झटके के तौर पर देखा जा रहा है। कांग्रेस असम में पहले से ही अंदरूनी चुनौतियों से जूझ रही है। बोरदोलोई एक प्रखर वक्ता के साथ ही असम विधानसभा चुनाव कांग्रेस कमेटी के घोषणा पत्र कमेटी के चेयरमैन भी थे। जिसके चलते उनका जाना कांग्रेस पार्टी के लिए एक बड़ा आघात माना जा रहा है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने संकेत दिया कि बोरदोलोई ने टिकट बंटवारे को लेकर असंतोष जाहिर किया था। उन्होंने कहा कि वह टिकट बंटवारे से नाखुश थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण था। उन्होंने यह भी कहा कि शायद अंदरूनी मतभेदों की वजह से ही उन्होंने यह फ़ैसला लिया होगा। सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के पाला बदलने से न सिर्फ़ कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक ताकत को चोट पहुंची है, बल्कि इससे पार्टी के अंदरूनी तालमेल और रणनीति को लेकर भी कई बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। आने वाले हफ़्तों में जैसे-जैसे चुनावी मुकाबला तेज होगा, इसके दूरगामी असर भी देखने को मिल सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने भाजपा में बोरदोलोई का स्वागत करते हुए कहा कि वे सार्वजनिक जीवन में 1975 से छात्र जीवन से ही कांग्रेस पार्टी से सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं। बोरदोलोई असम सरकार में कई कार्यकाल में महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार संभाल चुके हैं। 2001 में तरुण गोगोई के पहले कार्यकाल में गृह मंत्री के रूप में प्रद्युत बोरदोलोई काफी प्रखरता के साथ काम कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने साथ ही कहा कि वर्तमान कांग्रेस में एक भी हिंदू नेता के रहने के लिए अब कोई जगह नहीं बची है।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, 5 लोगों को मानव तस्करी से बचाया, 3.5 लाख नेपाली मुद्रा बरामद

सुपौल। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 45वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल ने मानव तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल करते हुए 5 व्यक्तियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया है। इस कार्रवाई में 4 नाबालिग (3 युवतियाँ और 1 युवक) तथा 1 वयस्क युवक शामिल हैं। द्वितीय कमान अधिकारी जगदीश कुमार शर्मा ने बताया कि 17 मार्च को मानव तस्करी की आशंका को देखते हुए सभी सीमा चौकियों पर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सीमा चौकी नरपतपट्टी की पेट्रोलिंग टीम ने 3 युवतियों और 2 युवकों को संदिग्ध अवस्था में रोका। पूछताछ में सभी के नेपाल निवासी होने

की पुष्टि हुई। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ कि एक नेपाली और एक भारतीय तस्कर द्वारा उन्हें रोजगार का झांसा देकर नेपाल से जयपुर ले जाया जा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसबी की मानव तस्करी रोधी इकाई की उपस्थिति में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर सभी को आगे की कार्रवाई के लिए भपटियाही थाना को सौंप दिया गया। इसी क्रम में 18 मार्च को सीमा चौकी शैलेशपुर पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को नेपाल से भारत की ओर आते हुए पकड़ा गया। उसने अपना नाम ज्ञानेंद्र प्रसाद यादव, निवासी सप्तरी (नेपाल) बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से 3,50,000 नेपाली मुद्रा बरामद की गई। उक्त व्यक्ति इस राशि के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे और बरामद राशि को लैंड कस्टम ऑफिस, भीमनगर को सुपुर्द कर दिया गया। इस अभियान में एसएसबी के सहायक उप निरीक्षक भारत भूषण, उप निरीक्षक भावना, उप निरीक्षक पूर्णनंद बिजलवान सहित अन्य जवान शामिल रहे। एसएसबी द्वारा भारत-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर कंटेनर ट्रेलर के कार पर पलटने से तीन की मौत, पांच घायल

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक कंटेनर ट्रेलर के कई वाहनों से टकराने और एक कार पर पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

खोपोली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान अंबदास दामू पेतारे, श्रीकांत अनंत जाधव और प्रमोद शंकर पवार के रूप में हुई है। ये सभी उस इनोवा कार में सवार थे जो इस हादसे में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, घायलों में नवनाथ भुजबल (32), अक्षय गायकवाड (31), भानुदास गायकवाड (27), स्वप्निल भुजबल (36) और अवधेश यादव (37) शामिल हैं। अधिकारी के अनुसार, चालक द्वारा नियंत्रण खो देने के कारण ट्रेलर सड़क पर चार वाहनों से टकरा गया और फिर उसी दिशा में जा रही एक कार पर पलट गया।

उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है।

नौ साल में बॉटल नेक से ब्रेकथ्रू स्टेट बना उत्तर प्रदेश: योगी

यूपी में नौ वर्षों में जो परिवर्तन हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ही सम्भव हो पाया : मुख्यमंत्री

● योगी सरकार के नौ साल : नवनिर्माण के नौ साल थीम आधारित पुस्तिका का हुआ विमोचन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में इन नौ वर्षों में जो भी परिवर्तन हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ही सम्भव हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और जनता जनार्दन के सहयोग का प्रतिफल है। इन नौ साल में उत्तर प्रदेशा बॉटल नेक से ब्रेकथ्रू स्टेट बन गया है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर बुधवार को लोकभवन में'नवनिर्माण के नौ वर्ष' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर नवनिर्माण के नौ वर्ष शीर्षक से उपलब्धियों की एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले प्रदेश में नौकरी का विज्ञापन निकलते ही वसूली के लिए झोला लेकर महाभारत के सभी रिश्ते निकल पड़ते थे। अब इंफ्रास्ट्रक्चर, नौकरी, रोजगार, महिलाओं के लिए, दलितों, वंचितों और गरीबों के कल्याण को ध्यान में रखकर किये गए कार्य ने यूपी को फिर से पहचान दी है। उन्होंने कहा कि अगले नौ दिनों तक राज्य में अलग अलग थीम पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। आगे के लिए हमारा विजन क्या होगा, इस पर भी चिन्तन करेंगे। नौ सालों में किये गए कार्यों को लेकर मंथन चिन्तन कर जनता के बीच जाएंगे। इन सभी मुद्दों पर नौ दिनों तक यह कार्यक्रम चले। उन्होंने अपील की कि हम युवाओं, श्रमिकों, गरीबों, महिलाओं के बीच इन विषयों और चर्चा करें। कल से त्योहार है। हम में खुशी है। किसी प्रकार का डर नहीं है। बेहतर सुरक्षा की वजह से बड़ा बदलाव हुआ है। आज लोग नव वर्ष पर और त्योहारों पर मंदिरों में जा रहे हैं। म

ुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहली सरकार में 30 हजार पुलिस भर्ती करनी थी। ट्रेनिंग के लिए हमारे पास केवल तीन हजार वाला ट्रेनिंग सेंटर ही था। केंद्र से भी बात की। लेकिन भर्ती नहीं हो पा रही थी। मामला कोर्ट में होने की वजह से रुकावट आ रही थी। हमने कहा कि न्यायालय का आदर करते हुए भर्ती पूरी की जाए। 30 हजार युवाओं को नौकरी दी गयी। तीन वीरांगनाओं के नाम पर पीएसी बटालियन का गठन किया है। हर जिले में एक एक साइबर थाना और हेल्प डेस्क है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, पता नहीं चलता है। आज उत्तर की कनेक्टिविटी अच्छी हुई है। गांव, तहसील, जिला और प्रदेश मुख्यालय कनेक्ट किये गए हैं। देश का पहला रोपवे काशी में बन रहा है। आज यूपी में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट और चार अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा है। उत्तर प्रदेश आज इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदेश बना है। पहले कोई निवेशक नहीं आता था। 1947 से 2017 तक महज 14 हजार उद्योग थे। आज 31 हजार से अधिक उद्योग हैं। इसमें 65 लाख से अधिक लोग कम कर रहे हैं। यूपी में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्य कर रही हैं। योगी ने कहा कि पहले वाले मुख्यमंत्री नोएडा नहीं जाते थे। उन्हें कुर्सी जाने का डर था।

मुख्यमंत्री बनते ही मैं नोएडा गया। मैंने कहा कि कुर्सी रहे या जाए, मैं नोएडा जरूर जाऊंगा। आज नोएडा में फैक्ट्रियां लगी हैं। मोबाइल फोन नोएडा में बन रहे हैं। आज यूपी में 15 लाख करोड़ का ग्राउंड ब्रेकिंग किया जा चुका है। आज कृषि का साढ़े आठ से बढ़कर 18 फीसदी ग्रोथ रेट है। तीन लाख 16 हजार 895 करोड़ किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया। घटतौली बन्द हो गया है। अब किसानों को ठगा नहीं जा रहा है। बेटियों को नौकरी दी जा रही है। हमने जाति, पंथ और क्षेत्र नहीं देखा। योजनाएं सभी के लिए लागू की गईं। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में एक करोड़ 60 लाख से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। कान्वेंट स्कूलों की तरह उन्ह बच्चों को ड्रेस, जूते और स्कूल बैग दिए जा रहे हैं। शौचालय, पीने के लिए पानी की व्यवस्था किया गया है। पहली बार संस्कृत पढ़ने वाले बच्चों के लिए स्कॉलरशिप योजना लागू की गई है। वह डिस्ट्रिक्ट वन माफिया से बाहर निकल कर ओडोओपी, वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज योजना लागू की गई है। कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि नौ साल पहले यूपी की जनता ने मेवा वालों को हटाकर सेवा वालों को सत्ता दिया। दंगा वालों को हटाकर गंगा वालों को कुर्सी पर बैठाया। आज भी वे (विपक्ष) लोग समझ नहीं पाए। आज नौ वर्षों में भाजपा की योगी सरकार ने पूरे प्रदेश को बदला है। जब किसी गरीब के घर में बीमारी आ जाती थी तो वह गरीब और भी गरीब हो जाता था।

मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में सरकार ने काम किया 2022 में सरकार आई। इन पांच सालों में जो काम किया है, उसकी बदौलत 2027 में उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सुशासन के नौ साल पूरे होने के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई। आज का दिन प्रदेश के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। मुझे 2016-17 याद आती है जब तत्कालीन सपा सरकार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई शुरू की थी। 12 से 17 तक मुख्यमंत्री रहे अखिलेश यादव जब कुर्सी छोड़े तब प्रदेश को बर्बाद कर चुके थे। अखिलेश यादव ने सबको छला। प्रदेश में उद्यमी निवेश करने से भागते थे। आज निवेश के लिए होड़ लगी है।आज हम पूरे विश्वास के साथ कह रहे हैं कि 2027 में 2017 से बड़ी जीत के साथ भाजपा सरकार बनाएगी। अखिलेश यादव मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखना बन्द कर दें।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि नौ साल पहले राज्य में प्रवेश करते ही टूटी सड़कें मिलते ही कहते थे कि उत्तर प्रदेश आ गया है। बिजली कुछ जिलों में ही आती थी। बाकी प्रदेश में एक सप्ताह रात तो एक सप्ताह दिन में बिजली रहती थी। कानून व्यवस्था खराब थी। कहा जाता था कि यूपी गुंडों का राज्य है। मेडिकल कालेजों की संख्या तीन गुना से ज्यादा हो गए हैं। प्रदेश में पूरब से पश्चिम तक सड़कों पर वाहन हिचकोले नहीं लेते। आज बेटियां रात में भी बाहर निकल जा सकते हैं। पहले पांच बजे के बाद बेटियों को घर बुला लिया जाता था। आज प्रदेश में सबकुछ बदल चुका है। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, मंत्री संजय निषाद, मंत्री अनिल कुमार, मंत्री बीबी रानी मौर्य, मंत्री आशीष पटेल और मंत्री ओमप्रकाश राजभर के साथ ही मुख्य सचिव एसपी गोएल, अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद मौजूद रहे।

फर्रुखाबाद में पूर्व विधायक के घर में बम विस्फोट : दोनों बेटों समेत आधा दर्जन पर FIR

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद शहर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार की देर रात पूर्व विधायक विजय सिंह के आवास पर हुए विस्फोट के मामले में उनके बेटे सिक्की और विक्की सहित घायल आधा दर्जन साथियों के विरुद्ध बम बनाए जाने का केस दर्ज कराया है। रिपोर्ट नवाबगंज चौकी इंचार्ज इमरान फरीद ने दर्ज कराई है। कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना घुमना चौकी इंचार्ज अमित कुमार गुप्ता को सौंपी है।

नवाबगंज चौकी इंचार्ज इमरान फरीद की ओर से दर्ज करायी गई प्राथमिकी में बताया कि 17 मार्च को लगभग 4 बजे बजे पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। तभी एक ई-रिक्शा में घायल और झुलसे हुए व्यक्तियों को ले जाया जा रहा था। पूछताछ में पता चला कि वे पूर्व विधायक विजय सिंह के बेटे अभिनाश उर्फ विक्की और अभिषेक उर्फ सिक्की हैं। उनके घर में भयानक विस्फोट हुआ था जिसमें 5-6 लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो घर के बाहर भीड़ और पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल था। घर के अंदर फर्श टूटा हुआ था, बेसमेंट की छत उखड़ी हुई थी और सामान बिखरा पड़ा था। मलबे में दबे एक व्यक्ति को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में ईशु चौरसिया (29), रामवीर यादव (60) राजू मिश्रा (35) भैयालाल (40) सहित अन्य लोग शामिल हैं। पुलिस ने जांच में पाया कि बेसमेंट से विस्फोटक पदार्थों की गंध आ रही थी और दीवारों पर खून के धब्बे थे। पूरे मकान की तीसरी मंजिल तक खिड़कियां, दरवाजे और छत क्षतिग्रस्त हो गए थे। स्थानीय लोगों के अनुसार मंगलवार शाम लगभग 7:30 बजे तेज धमाका हुआ। मौके की स्थिति से स्पष्ट हुआ कि मकान में अवैध रूप से विस्फोटक पदार्थ बनाए जा रहे थे, जिससे यह घटना हुई। इस घटना से इलाके में भगदड़ मच गई और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ।

मथुरा में गड़ासे से काटकर भाई की हत्या, आरोपित पत्नी संग फरार

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के मगोर्रा थाना क्षेत्र स्थित गांव एहमल में मंगलवार की रात बड़े भाई ने झगड़े में गड़ासे से हमला कर छोटे भाई की हत्या कर दी। बीच-बचाव में मां लोंगा देवी भी घायल हो गयी। घटना के बाद आरोपित पत्नी संग फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है। गोवर्धन क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार ने बुधवार को बताया कि मगोर्रा थाना क्षेत्र के गांव एहमल निवासी निरंजन सिंह और मेघश्याम दोनों सगे भाई थे। दोनों की शादी राजस्थान की रहने वाली दो सगी बहनों के साथ हुई थी। निरंजन की शराब लत से परेशान होकर पत्नी पूजा पिछले एक साल से बेटी को लेकर मायके में रह रही है। मंगलवार रात 10 बजे के आसपास मेघश्याम पत्नी दुर्गेश, बच्चों के साथ खाना खा रहे थे। इसी दौरान शराब के नशे में आए भाई निरंजन सिंह से उसकी कहासुनी हो गई। इस बीच मेघश्याम की पत्नी दुर्गेश ने कुछ बोल दिया तो झगड़ा और उग्र हो गया। मेघश्याम गड़ासा लाकर और भाई निरंजन पर ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया। मां ने दोनों को शांत कराने की कोशिश की तो आरोपी ने उन पर भी हमला कर दिया। निरंजन खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। चीख पुकार सुन कर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल निरंजन को अस्पताल पहुंचाया,लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपित मेघश्याम पत्नी दुर्गेश संग घर से भाग गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेज दिया। वहीं, सीओ गोवर्धन अनिल कुमार ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश में दो टीमें लगाई है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बीते 9 सालों में हर आखिरी पात्र तक पहुंचा विकास : विधायक गौरी शंकर वर्मा

उरई। उत्तर प्रदेश सरकार के 9 साल पूरे होने के अवसर पर जिला मुख्यालय उरई स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में बुधवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से गिनाते हुए इसे विकास का मॉडल बताया

सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने विकास को आखिरी छोर तक पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में प्रदेश ने जो विकास यात्रा तय की है, वह ऐतिहासिक है। विधायक ने कहा कि 70 वर्षों तक जो काम नहीं हुआ, उसे इस भाजपा सरकार ने महज 9 साल में पूरा कर दिखाया है। विधायक ने कहा कि पिछली सरकारों ने महापुरुषों और वीरांगनाओं के स्थलों की उपेक्षा की, लेकिन भाजपा सरकार ने उन्हें फिर से गौरवान्वित किया है। उन स्थलों का सुंदरीकरण कर उन्हें पर्यटन और आस्था से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों की जो दुर्दशा थी, वह आज बदल चुकी है। जिले के सीएचसी और पीएचसी पर अब उच्च स्तर की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

गंभीर मरीजों के लिए नवीन भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं प्राइमरी स्कूलों का कायाकल्प किया गया है, और गांवों में ही स्कूल खोले जा रहे हैं ताकि बच्चों को दूर न जाना पड़े। प्रेस वार्ता में विधायक ने कहा कि सरकार ने महिलाओं को समूहों के जरिए रोजगार से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि आज हर थाने पर महिलाएं बेझिझक अपनी शिकायत लेकर पहुंच रही हैं। सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की है और प्रदेश से गुंडाराज को पूरी तरह खत्म कर दिया है।

विधायक ने बताया कि जिले में सड़कों का जाल बिछाया गया है। सीमाओं को जोड़ने वाले मार्गों से लेकर शहर की छोटी गलियों तक का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटा दिया गया है और शहर के हर चौराहे का सुंदरीकरण किया गया है। इसके अलावा गांव-गांव में तालाबों का जीर्णोद्धार और वृक्षारोपण किया गया।

विधायक ने दावा किया कि सरकार की नीतियों का सबसे बड़ा लाभ किसानों को मिला है। उनकी आमदनी दोगुनी हुई है। हर सरकारी विभाग का कायाकल्प हुआ है और प्रशासनिक व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त हुई हैं। इस दौरान विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ने विकास की एक मिसाल कायम की है और आने वाले समय में भी यह क्रम जारी रहेगा।

प्रयागराज-पटना अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचालन

प्रयागराज। रेल प्रशासन द्वारा चैत्र नवरात्री मेला विंध्याचल के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी 04112-04111 प्रयागराज-पटना-प्रयागराज अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचालन करने का निर्णय लिया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में मोबाइल चोर घायल, गिरफ्तार

सीतापुर। जिले के रामपुरकलां थाना क्षेत्र में पुलिस और एसओजी की टीम ने बुधवार भोर में संयुक्त कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में एक मोबाइल चोर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गोली से अपराधी घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। सिधौली सीओ कपूर कुमार ने बताया कि ककरहिया शंकरपुर निवासी कौशलेंद्र लंबे समय से मोबाइल चोरी के मामलों में वांछित था। पुलिस को सूचना मिली कि वह इलाके में मौजूद है और किसी वारदात की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस और एसओजी टीम ने जोधपुर पुलिया के पास घेराबंदी कर सघन चेकिंग शुरू कर दी। इस दौरान बाइक से आ रहे अपराधी कौशलेंद्र को पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन उसने रुकने के बजाय फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उसके पास से दो चोरी के मोबाइल फोन, एक बाइक, अवैध तमंचा और कई जिंदा कारतूस बरामद कर लिए। पुलिस का कहना है कि आरोपी चोरी के मोबाइल का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में करता था।

प्रदेश सरकार की 09 साल की उपलब्धियों को राज्यमंत्री रविंद्र ने गिनाया बोले

काशी ने नौ साल में अभूतपूर्व विकास देखा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने बुधवार को काशी में योगी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित विकास प्रदर्शनी एवं कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम चौकाघाट स्थित गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में राज्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में काशी ने बीते नौ वर्षों में अभूतपूर्व विकास देखा है। उन्होंने बताया कि इस अवधि में लगभग 35,156 करोड़ रुपये की लागत से सड़क, सेतु, पेयजल, सीवरेज समेत बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी 486 परियोजनाएं पूरी कर जनता को समर्पित की गई हैं। जनपद में 22,829 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 127 सड़क एवं सेतु परियोजनाएं पूर्ण हुई हैं, जबकि 5,813 करोड़ रुपये की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। रेलवे, एयरपोर्ट और जलमार्ग से जुड़ी 1,529 करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं तथा 4,934 करोड़ रुपये की अन्य परियोजनाओं पर कार्य जारी है।

स्मार्ट सिटी योजना के तहत 877.65 करोड़ रुपये की लागत से 34 परियोजनाएं पूरी की गई हैं। इनमें इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर, 720 स्थानों पर सर्विलांस कैमरे, सिगरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, टाउन हॉल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और गोदौलिया में मल्टीलेवल पार्किंग शामिल हैं। पेयजल व सीवरेज के क्षेत्र में 1000 करोड़ रुपये से अधिक की 60 परियोजनाएं पूर्ण हुई हैं, जबकि 2100 करोड़ रुपये की परियोजनाएं प्रगति पर हैं। शिक्षा क्षेत्र में 512 करोड़ रुपये की 32 परियोजनाएं पूरी की गई हैं तथा 544 करोड़ रुपये की अन्य परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में 1870.36 करोड़ रुपये की 43 परियोजनाएं पूरी हुई हैं, जिनमें कैंसर संस्थान, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और मातृत्व विंग प्रमुख हैं। इसके अलावा 914 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं।

पर्यटन विकास के अंतर्गत 721 करोड़ रुपये की 30 परियोजनाएं पूरी हुई हैं। इनमें श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, नमो घाट, सारनाथ पुनर्विकास और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का विकास प्रमुख है। वहीं 834 करोड़ रुपये की परियोजनाएं अभी निर्माणाधीन हैं। राज्यमंत्री ने बताया कि जनपद में विद्युत सुधार, खेल, पुलिस वेलफेयर और परिवहन के क्षेत्र में भी व्यापक कार्य हुए हैं। गंजारी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के पास स्पोर्ट्स सिटी विकसित करने की योजना है। साथ ही ट्रैफिक समस्या के समाधान हेतु ट्रांसपोर्ट नगर योजना पर काम चल रहा है।

विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत लाखों लोगों को लाभ मिला है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना और स्वनिधि योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में लाभार्थियों को सहायता प्रदान की गई है। राज्यमंत्री ने कहा कि इन सभी प्रयासों का परिणाम है कि वर्ष 2017 में वाराणसी का जीडीपी 22,586.91 करोड़ रुपये से बढ़कर अब 51,036 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 1,03,354 रुपये हो गई है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति जागरण अभियान का भव्य समापन

गुरुकुल शिक्षा और सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर जोर

❖ जनभावना टाइम्स

मेरठ। भारत की सनातन परंपरा, आध्यात्मिक मूल्यों और वैदिक ज्ञान के पुनर्जागरण के उद्देश्य से आयोजित 'सनातन संस्कृति जागरण अभियान' का चार दिवसीय भव्य कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस आयोजन का संचालन विश्व जागृति मिशन द्वारा किया गया, जिसमें देशभर के संतों, विद्वानों और गणमान्य व्यक्तित्वों ने भाग लिया।सुधांशु महाराज के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन में योग गुरु बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण, विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार, सांसद स्वामी साक्षी महाराज और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल सहित कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

आयोजन का उद्देश्य सनातन मूल्यों को सुदृढ़ करना और युवाओं को अपनी सांस्कृतिक पहचान से जोड़ना रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसके बाद चारों दिन वैभव लक्ष्मी महायज्ञ, ध्यान साधना और प्रेरणादायक प्रवचन आयोजित किए गए। इन सत्रों में व्यक्तिगत चरित्र निर्माण, आध्यात्मिक विकास और राष्ट्र की समृद्धि जैसे विषयों पर विशेष चर्चा की गई। अपने संबोधन में सुधांशु महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि सनातन संस्कृति के सिद्धांतों को घर-घर तक पहुंचाया जाए, ताकि समाज में शांति और संतुलन स्थापित हो सके।

योग गुरु बाबा रामदेव ने अपने वक्तव्य में कहा कि योग, वैदिक शिक्षा और सांस्कृतिक जागरण के माध्यम से भारत को पुनः विश्व गुरु बनाया जा सकता है। वहीं, विश्व जागृति मिशन की उपाध्यक्ष डॉ. अर्चिका दीदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए जीवन में सकारात्मक परिवर्तन और आध्यात्मिक जुड़ाव की आवश्यकता पर बल दिया।इस अवसर पर डॉ. अर्चिका दीदी द्वारा लिखित ग्रंथ "कैलाशः परम चेतना का ऊर्जा केंद्र" का भी विधिवत लोकार्पण किया गया, जो आध्यात्मिक चिंतन की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है।कार्यक्रम के समापन पर महाआरती और मंत्र दीक्षा का आयोजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

हजारों स्वयंसेवकों के सहयोग से यह आयोजन सफल रहा और इसे एक प्रेरणादायी पहल के रूप में देखा जा रहा है। विश्व जागृति मिशन ने भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि देशभर में 10 गुरुकुलों और 108 बाल संस्कार केंद्रों की स्थापना का कार्य जारी है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति और संस्कारों से जोड़ा जा सके।

शीर्ष-20 से शीर्ष-10 का सफर और भी अधिक मुश्किल होगा: अनाहत सिंह

मुंबई। विश्व स्क्वाश रैंकिंग के शीर्ष-20 में जगह बनाने वाली सबसे कम उम्र की एशियाई खिलाड़ी बनने के बाद 17 साल की अनाहत सिंह जानती हैं कि शीर्ष -10 में जगह बनाना कहीं अधिक मुश्किल होगा क्योंकि उन्हें शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दीपिका पल्लीकल और जोशना चिनप्पा पीएसए रैंकिंग में 10वें स्थान तक पहुंची थीं लेकिन उससे आगे नहीं बढ़ पाईं।

विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद अनाहत कम उम्र और खास प्रतिभा के दम पर वह कर सकती हैं जो आज तक किसी भारतीय ने नहीं किया। अनाहत ने इंडियन ओपन के दौरान पीटीआई से कहा, ''मुझे पता है कि यह काफी मुश्किल होने वाला है। शीर्ष-20 में जगह बनाना उतना मुश्किल नहीं था जितना शीर्ष-10 में जगह बनाना होगा क्योंकि अब जब आप इतने ऊंचे स्तर पर होते हैं तो एक भी पायदान ऊपर चढ़ना काफी मुश्किल होता है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि यह मुश्किल होगा और मुझे यह भी पता है कि इसमें काफी समय लगेगा।

मैं कड़ी ट्रेनिंग करने, अपने खेल को बेहतर बनाने और शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं।'' अनाहत ने स्वीकार किया कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें अपने कोच के साथ मिलकर अपनी योजनाओं और सफलता के फॉर्मूले पर फिर से विचार करने की भी जरूरत होगी। उन्होंने कहा, ''अगर मुझे कभी ऐसा करना पड़ा तो यह बस अपने कोच से बात करने और उनसे आत्मविश्वास पाने के बारे में है। उन्हें पता होता है कि मैं किन चीजों की आदी हूं और मैं क्या कर रही हूं।'' पंद्रह साल की उम्र में एशियाई खेलों का पदक जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी अनाहत ने कहा, ''बस उनसे बात करना और खुद को उस स्थिति में देखना–यह कुछ ऐसा है जो मुकाबलों के दौरान थोड़ा घबराए होने पर मेरी मदद करता है।'' अनाहत चीजों को सामान्य बनाए रखने में विश्वास रखती हैं। उन्होंने कहा, ''कभी-कभी जब आप लगातार काफी सारे टूर्नामेंट खेलते हैं तो आप थोड़ा थके जाते हो। आपके शॉट उस तरह नहीं जाते जिस तरह उन्हें जाना चाहिए। ये यह सुनिश्चित करना है कि आप अपना पुराना खेल खेलें।

पोंटिंग ने यानसेन के देर से टीम से जुड़ने को स्वीकृति दी

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने आईपीएल के लिए मार्को यानसेन के देर से आने को स्वीकृति दे दी है। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यह दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर उन खिलाड़ियों के आखिरी समूह में शामिल था जो टी20 विश्व कप के बाद 'लॉजिस्टिक्स' से जुड़ी दिक्कतों के कारण भारत से देर से रवाना हुए थे। दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाड़ी विश्व कप में अपना सफर खत्म होने के बाद एक हफ्ते से अधिक समय तक भारत में ही फंसे रहे थे। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर सहित कुछ खिलाड़ियों ने भारत से रवाना होने में हुई देरी पर नाराजगी भी जाहिर की थी। यह देरी पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण दुबई और अबु धाबी जैसे बड़े हवाई अड्डों पर सीमित उड़ानों की वजह से हुई थी। पंजाब किंग्स टीम के अहम सदस्य यानसेन 26 मार्च को टीम के साथ जुड़ेंगे। पोंटिंग और अधिकतर विदेशी खिलाड़ी 21 मार्च को टीम के साथ जुड़ने वाले हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई 23 मार्च को काबुल से टीम के साथ जुड़ेंगे। उनका देश इस समय पाकिस्तान के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। पंजाब किंग्स के साथ अपने पहले ही साल में पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर की जोड़ी ने पिछले सत्र में टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। यह 2014 के बाद टीम का पहला फाइनल था। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''रिकी अपने खिलाड़ियों का पूरा साथ देते हैं। यह देखते हुए कि मार्को भारत से देर से रवाना हुए थे, वह इस बात को समझते हैं कि उन्हें घर पर कुछ समय बिताने का पूरा मौका मिलना चाहिए।'' इस लंबे कद के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने पिछले सत्र में 9.20 की इकोनॉमी रेट से 16 विकेट लिए थे। अय्यर के 19 मार्च को टीम के साथ जुड़ने की उम्मीद है।

चक्रवर्ती और नारायण को ईडन गार्डन्स में अनुकूल पिच मिलनी चाहिए: डु प्लेसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा है कि वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन टी20 विश्व कप में भले ही कुछ खास नहीं रहा हो लेकिन 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए यह भारतीय रहस्मयी स्पिनर बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। इस टूर्नामेंट से संन्यास लेने से पहले चेन्नई सुपरकिंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने वाले डु प्लेसी ने 'जियो हॉटस्टार' से कहा कि ईडन गार्डन्स की पिच सुनील नारायण और चक्रवर्ती की गेंदबाजी के अनुकूल होनी चाहिए। डु प्लेसी ने कहा, ''अगर मैं केकेआर टीम प्रबंधन का हिस्सा होता तो मैं ईडन गार्डन्स के मैदानकर्मियों से कहता कि पिच को स्पिन के अनुकूल बनाया जाए। केकेआर खुशकिस्मत है कि उसके पास चक्रवर्ती और नारायण जैसे दो शानदार गेंदबाज हैं।'' उन्होंने कहा, ''ये दोनों इस समय टी20 क्रिकेट के सबसे बेहतरीन स्पिनरों में से हैं। वरुण और नारायण, दोनों का प्रदर्शन असरदार होना जरूरी है। अगर वे ऐसी पिचों पर खेलते हैं जहां वे अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी नहीं कर पाते तो आप अपने इन दो सबसे बड़े हथियारों और अपनी सबसे बड़ी ताकत को खो देंगे।'' डु प्लेसी ने कहा, ''हां, वे किसी भी पिच पर अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं और बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। लेकिन इस आईपीएल में केकेआर की सफलता के लिए, चक्रवर्ती और नारायण को अपना जलवा दिखाना होगा। पिच को इन दोनों खिलाड़ियों को ध्यान में रखकर ही तैयार किया जाना चाहिए।'' टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत के दौरान चक्रवर्ती का प्रदर्शन औसत रहा था। उन्होंने 14 विकेट लिए लेकिन उनका इकोनॉमी रेट नौ से अधिक का रहा। पिछले सत्र में केकेआर की टीम अंक तालिका में नीचे से तीसरे स्थान पर रही थी और अपने 14 मैच में से सिर्फ पांच जीत पाई थी। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली यह टीम 29 मार्च को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह मैच मुंबई के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा। डु प्लेसी ने कहा कि कैमरन ग्रीन भी टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी चेताया कि इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पर अपनी 25.2 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत का बहुत अधिक दबाव होगा।

दौरों और शिविर का मेल, मारिन ने विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए तैयारी की योजना बनाई

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन इस साल होने वाले विश्व कप और एशियाई खेलों की टीम को तैयार करने के लिए विदेशी दौरों, मुकाबलों के अनुभव और राष्ट्रीय शिविर के मेल पर भरोसा कर रहे हैं। विश्व कप अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होना है जबकि एशियाई खेल सितंबर में जापान में होंगे। भारतीय महिला टीम 15 से 21 जून तक ऑकलैंड में एफआईएच हॉकी नेशंस कप में हिस्सा लेगी। टीम के अमेरिका और अर्जेंटीना का दौरा करने तथा जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ मैच खेलने का भी कार्यक्रम है। मारिन ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''हमारा अमेरिका और अर्जेंटीना का दौरा है, न्यूजीलैंड में नेशंस कप है और जर्मनी में अभ्यास मैच हैं। हम नीदरलैंड में भी कुछ मैच खेलेंगे।'' उन्होंने कहा, ''ये पूर्व निर्धारित मुकाबले और हमारे शिविर मिलकर हमें विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए तैयार होने के लिए मैच और ट्रेनिंग का एक बहुत अच्छा मेल देते हैं।'' विश्व कप में भारत को पूल डी में इंग्लैंड, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है। इस ग्रुप में चीन दुनिया की चौथी नंबर की टीम है। इंग्लैंड की रैंकिंग छठी है जबकि भारत और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः नौवें और 19वें स्थान पर हैं।

जर्मनी के पूर्व कोच जोकिम लोव ने विश्व कप को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएं जताई

कोलोन (जर्मनी)। जर्मनी के पूर्व कोच जोकिम लोव ने अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की मेजबानी में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं जताई हैं। कोलोन एक्सप्रेस समाचार पत्र ने लोव के हवाले से कहा, ''2018 में रूस में हुए विश्व कप से पहले भी बहस हुई थी और 2022 में कतर में हुए विश्व कप से पहले बहिष्कार की मांग उठी थी। लेकिन ऐसे देश में खेलना जो सक्रिय रूप से युद्ध में शामिल हो और भी अधिक खतरनाक है।'' उन्होंने कहा, ''वहां की राजनीतिक स्थिति टूर्नामेंट पर पूरी तरह से हावी हो सकती है।'' अमेरिका और इजरायल का ईरान के साथ युद्ध जारी है और पिछले महीने मैक्सिको की सेना द्वारा कार्टेल सरगना नेमेसियो रूबेन ओसेगुएरा सर्वान्तेस को मारने के बाद हिंसा की एक लहर फैल गई थी। सर्वान्तेस को 'एल मेनचो'के नाम से जाना जाता था। ब्राजील में 2014 में जर्मनी को विश्व कप का खिताब दिलाने वाले लोव ने सोमवार शाम को एक कार्यक्रम में बात की। यह कार्यक्रम विश्व कप के पिछले सत्रों पर केंद्रित था जिसमें उनके साथ रेनर बोनहोफ ने शिरकत की जिन्होंने 1974 का टूर्नामेंट जीतने में पश्चिम जर्मनी की मदद की थी। इसके अलावा विश्व कप जीतने वाले अन्य खिलाड़ी भी मौजूद थे। उनकी बातचीत के अंत में ध्यान आने वाले टूर्नामेंट पर चला गया। बोनहोफ ने कहा, ''मुझे तो यह भी नहीं पता कि आपको खेलना भी चाहिए या नहीं।'' उन्होंने सह-मेजबानों के बारे में कहा, ''मौजूदा हालात को देखते हुए मेरे लिए सिर्फ कनाडा ही एक तटस्थ देश है। मैं किसी भी विश्व कप का बहिष्कार नहीं करना चाहता। हमें फुटबॉल से बहुत प्यार है। लेकिन हमें सच में सुरक्षा उपायों के बारे में सोचना होगा जिन पर हमने अभी तक विचार नहीं किया है।''

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

एक्सिस बैंक अगले 12 महीने में अपनी एनबीएफसी इकाई में डालेगा 1,500 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। एक्सिस बैंक अपनी एनबीएफसी इकाई एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड (एएफएल) में कारोबार वृद्धि के लिए अगले एक वर्ष में राइट्स इश्यू के माध्यम से 1,500 करोड़ रुपये निवेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बैंक ने बुधवार शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसके निदेशक मंडल की अधिग्रहण, विनिवेश एवं विलय समिति ने 18 मार्च 2026 को हुई बैठक में 31 मार्च 2027 से पहले एक या अधिक किश्तों में एएफएल में 1,500 करोड़ रुपये निवेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। कंपनी ने कहा कि यह निवेश एएफएल के राइट्स इश्यू के जरिये किया जाएगा। एएफएल, बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। बैंक ने कहा कि 31 मार्च 2027 तक एक या अधिक किश्तों में 1,500 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 10 मार्च 2026 को पत्र के माध्यम से मंजूरी दी थी। एएफएल का कारोबार वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 2,504 करोड़ रुपये रहा जबकि समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में यह 4,296 करोड़ रुपये रहा था।

पावरिका का 1100 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 मार्च को खुलेगा

नई दिल्ली। पावर सॉल्यूशन प्रदाता पावरिका लिमिटेड का 1,100 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 24 मार्च को खुलेगा। इसके लिए मूल्य दायरा 375-395 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि आईपीओ 700 करोड़ रुपये के नए शेयर और 300 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। बयान के अनुसार, आईपीओ 27 मार्च को बंद होगा जबकि बड़े (एंकर) निवेशक 23 मार्च को बोली लगा पाएंगे। पावरिका का शेयर दो अप्रैल को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगा। आईपीओ से प्राप्त राशि में से 525 करोड़ रुपये कंपनी के कर्ज को कम करने में लगाए जाएंगे जबकि शेष का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यह कंपनी का सार्वजनिक होने का दूसरा प्रयास है। इससे पहले 2019 में पावरिका ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष आईपीओ लाने के लिए मसौदा दस्तावेज दाखिल किए थे लेकिन योजना को बाद में स्थगित कर दिया गया था। पावरिका एक एकीकृत पावर सॉल्यूशंस प्रदाता है जो डीजल जनरेटर सेट (डीजी सेट), मध्यम गति के बड़े जनरेटर (एमएसएलजी) और संबंधित सेवाओं में विशेषज्ञता रखती है।

सरकार ने हवाई यात्रा को और आसान बनाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए

अब 60 फीसदी मनपंसद सीटें चुन सकेंगे यात्री, अतिरिक्त शुल्क वसूली पर भी लगाम

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बुधवार को हवाई यात्रा को और आसान बनाने के लिए कुछ नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सरकार विमानन कंपनियों से कहा कि किसी भी फ्लाइट में कम से कम 60 फीसदी सीटें अतिरिक्त शुल्क के बगैर उपलब्ध करानी होंगी, ताकि सभी यात्रियों को बराबरी का मौका मिले। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एयरलाइन यात्रियों के लिए पारदर्शी और सुविधाजनक हो।

नए दिशा-निर्देशों में यह भी कहा गया है कि एक ही पीएनआर (पैसेंजर नेम रिकॉर्ड) पर यात्रा करने वाले यात्रियों को साथ में बैठाया जाए। इसके तहत यह कोशिश की जाए कि वे पास-पास की सीटों पर बैठ सकें। इससे परिवार या समूह में सफर करने वाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। ये निर्देश घरेलू उड़ानों पर लागू होंगे। ये कदम ऐसे समय में उठाए गए हैं, जब सीट चयन सहित विभिन्न सेवाओं के लिए विमानन कंपनियां अधिक शुल्क वसूल रही हैं। डीजीसीए ने विमानन कंपनियों को निर्देश दिया है कि हर उड़ान में कम से कम 60 फीसदी सीट बिना अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएं, ताकि निष्पक्ष पहुंच सुनिश्चित हो सके। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को और बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नए निर्देशों में 60 फीसदी सीट बिना अतिरिक्त शुल्क, परिवारों के लिए साथ बैठने की व्यवस्था और खेल उपकरण, संगीत वाद्ययंत्र एवं पालतू जानवरों के परिवहन के लिए स्पष्ट तथा पारदर्शी नियम शामिल है। मंत्री ने बताया कि देरी और टिकट रद्द कराने की स्थिति में भी यात्री अधिकारों के प्रवर्तन को मजबूत किया जाएगा।

मंत्रालय ने बताया कि एयरलाइन वेबसाइटों, मोबाइल एप्लिकेशनों, बुकिंग प्लेटफॉर्मों और हवाई अड्डे के काउंटरों पर यात्रियों के अधिकारों का प्रमुखता से प्रदर्शन के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा यात्रियों के अधिकारों की स्पष्ट जानकारी क्षेत्रीय भाषाओं में दी जाने को कहा गया है, ताकि व्यापक पहुंच और जागरूकता सुनिश्चित हो सके। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने, शिकायतों को कम करने और विमानन तंत्र में सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

अमारा राजा की इकाई ने रक्षा इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में किया प्रवेश

मुंबई। अमारा राजा डिजाइन अल्फा (एआरडीए) ने मिशन-क्रिटिकल रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में प्रवेश की बुधवार को घोषणा की। यह अमारा राजा समूह की विशेषीकृत इंजीनियरिंग अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) कंपनी है। कंपनी बयान के अनुसार, उसने नौसेना की सोनार प्रणाली के लिए स्वदेशी पावर कंडीशनिंग कैबिनेट (पीसीसी) विकसित किया है।

वह अगले चरण में पावर एम्प्लीफायर, सिग्नल इंटरफेस एवं पावर एम्प्लीफायर कैबिनेट के डिजाइन तैयार करेगी। इससे नौसेना की सोनार प्रणाली के लिए एक व्यापक स्वदेशी परिवेश तैयार करने में मदद मिलेगी। यह पहल भारत के बढ़ते नौसैनिक स्वदेशीकरण प्रयासों में निजी क्षेत्र की एक प्रौद्योगिकी कंपनी का महत्वपूर्ण योगदान दर्शाती है। प्रणाली के करीब 61 प्रतिशत घटक स्वदेशी होंगे जिससे उन्नत पावर इंजीनियरिंग तथा स्थानीय विनिर्माण के माध्यम से करीब 40 प्रतिशत लागत दक्षता प्राप्त होगी। नौसेना की सोनार प्रणाली पानी के नीचे पनडुब्बियों, जहाजों एवं खदानों का पता लगाने के लिए ध्वनि तरंगों का उपयोग करती है। एआरडीए के प्रबंध निदेशक सुरेश नायर ने कहा, '' हमें खुशी है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं पावर सिस्टम डिजाइन तथा विनिर्माण में हमारी विशेषज्ञता सीधे हमारे देश की रक्षा प्रणालियों में योगदान दे सकती है। यह विकास भारत के रक्षा अनुसंधान संस्थानों के साथ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में दीर्घकालिक क्षमता निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस्पात आयात से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए मंत्रालय 23 मार्च को करेगा खुली बैठक

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय 23 मार्च को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के नेताजी नगर स्थित जीपीओए-3 की तीसरी मंजिल पर स्थित इस्पात कक्ष में एक खुली बैठक का आयोजन करेगा। इस बैठक में इस्पात आयात से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस्पात मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि कंपनियां और संगठन संबंधित अपने मुद्दों को इस बैठक में प्रस्तुत कर सकते हैं। इस बैठक में भाग लेने के लिए tech-steel[at]nic[dot]in पर ईमेल भेजकर उपरोक्त तिथि के लिए निश्चित समय स्लॉट प्राप्त किया जा सकता है। मंत्रायल के मुताबिक ई-मेल भेजते समय निम्नलिखित जानकारी शामिल की जा सकती है:- कंपनी/एसोसिएशन का नाम, उद्योग और उत्पाद का प्रकार, जैसे ऑटोमोबाइल /एयरोस्पेस/दूरसंचार/रक्षा, आदि। यह समस्या एसआईएमएस/एसएआरएएल एसआईएमएस और क्यूसीओ छूट से संबंधित है। यदि कोई हो तो एसआईएमएस/एसएआरएएल एसआईएमएस/ क्यूसीओ छूट आवेदन का संदर्भ दें। समस्या का संक्षिप्त विवरण (अधिकतम 50 शब्द), प्रतिभागी का नाम और पदनाम (किसी तीसरे पक्ष का प्रतिनिधित्व स्वीकार्य नहीं है) और प्रतिभागी की संपर्क जानकारी (मोबाइल नंबर और ईमेल) शामिल है। मंत्रालय के मुताबिक इस खुली बैठक का आयोजन सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक किया जाएगा और समय-सीमा की जानकारी ईमेल के माध्यम से दी जाएगी। व्यवस्था संबंधी परेशानियों के कारण बिना पूर्व बुकिंग के प्रवेश संभव नहीं होगा और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक संगठन से केवल एक प्रतिनिधि को ही अनुमति दी जाएगी। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक संबंधित पक्ष को यह सलाह दी जाती है कि इस्पात के आयात के लिए एसआईएमएस/एसएआरएएल एसआईएमएस/ क्यूसीओ छूट से संबंधित समस्याओं का सामना कर रही कोई भी कंपनी या संस्था 20 मार्च को दोपहर तीन बजे तक उपरोक्त ईमेल पते पर अपना अनुरोध भेजकर समय-सीमा की पुष्टि करवा सकती है।

आरजीआरएल शेयर हेरफेर मामला:18 संस्थाओं पर 2.8 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने रेट्रो ग्रीन रिवोल्यूशन लिमिटेड (आरजीआरएल) के शेयर मूल्य में हेरफेर करने के मामले में 18 संस्थाओं पर कुल 2.8 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है और उन्हें पांच वर्ष तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। बाजार नियामक सेबी ने इसके अलावा इनमें से 15 संस्थाओं को 2.94 करोड़ रुपये के कुल अवैध लाभ को 31 दिसंबर 2021 से भुगतान की तिथि तक 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित वापस जमा कराने का निर्देश दिया है।

यह राशि 45 दिन के भीतर सेबी के निवेशक संरक्षण एवं शिक्षा कोष में जमा करानी होगी। नियामक ने मंगलवार को पारित अपने 61 पृष्ठ के आदेश में कहा कि ये संस्थाएं आरजीआरएल के कम नकदी वाले शेयर के मूल्य को कृत्रिम रूप से बढ़ाने और निवेशकों को आकर्षित करने की पूर्व नियोजित साजिश का हिस्सा थीं। सेबी ने पाया कि इस साजिश

पांच साल तक बाजार से प्रतिबंधित

में आपस में जुड़े हुए संगठनों के बीच कारोबार (ट्रेडिंग) करना शामिल था जिसका उद्देश्य कम शेयर में कृत्रिम मात्रा उत्पन्न करना था जिसके बाद संदेश मंच टेलीग्राम के माध्यम से टिप/स्टॉक अनुशंसाओं का प्रसार करना था।

आदेश में कहा गया कि संजय अरुणकुमार चोकसी सहित नोटिस पाने वाले, संख्या एक से छह तक के लोग शेयर में 'ट्रेडिंग' का भ्रामक माहौल बनाने के साथ-साथ शेयर की कीमत में हेरफेर करने में भी शामिल थे। बाजार नियामक संस्था ने पाया कि संजय चोकसी के नेतृत्व वाले चोकसी समूह ने हेराफेरी में अहम भूमिका निभाई। हालांकि चोकसी अब आरजीआरएल के प्रवर्तक नहीं थे। फिर भी कंपनी पर उनका ही नियंत्रण बना रहा क्योंकि सभी वैधानिक भुगतान उनके खाते से ही प्राप्त हो रहे थे।

मेकिंग से पहले 'मालामाल वीकली-2' को मिला नया डायरेक्टर अमित शर्मा

कॉमेडी फिल्म मालामाल वीकली के सीक्वल को लेकर नई जानकारी सामने आई है। रितेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव की तिकड़ी से सजी इस फिल्म की दूसरी किस्त दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता पैदा कर रही है। करीब दो दशक पहले रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था, लेकिन अब खबर है कि सीक्वल के लिए उन्हें रिप्लेस कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, 'मालामाल वीकली-2' का निर्देशन अब अमित शर्मा करेंगे, जिन्हें 'बधाई हो' के लिए जाना जाता है। बताया जा रहा है कि अमित इस फ्रैंचाइजी को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं और फिल्म की कहानी को नए अंदाज में पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सीक्वल में परेश रावल की वापसी लगभग तय मानी जा रही है, हालांकि औपचारिक समझौता होना बाकी है। वहीं रितेश देशमुख और राजपाल यादव से भी बातचीत जारी है। मेकर्स की कोशिश है कि मूल फिल्म की कॉमिक टाइमिंग और मनोरंजन को बरकरार रखते हुए कहानी को नए परिवेश में आगे बढ़ाया जाए। बताया जा रहा है कि दूसरी कड़ी में किरदारों और कहानी की पृष्ठभूमि में बदलाव देखने को मिल सकता है, जिससे दर्शकों को एक नया लेकिन परिचित मनोरंजन अनुभव मिल सके।

'धुरंधर-2' के हिंसक दृश्यों पर चली कैंची

आज सिनेमाघरों में होगी रिलीज

अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर-2' अब 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। रिलीज से ठीक एक दिन पहले केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने फिल्म को 'ए' प्रमाणपत्र देते हुए प्रदर्शन की मंजूरी दे दी है। हालांकि, इस मंजूरी तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं रहा और फिल्म में कई अहम संशोधन किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बोर्ड ने फिल्म में कुल 21 प्रमुख संशोधनों में से चार पर विशेष बदलाव सुझाए। इनमें आंख फोड़ने, सिर काटने, लात मारने, सीमेंट ब्लॉक और हथौड़े से सिर पर वार जैसे हिंसक दृश्यों को संपादित किया गया। संशोधनों के बावजूद फिल्म को 'ए' सर्टिफिकेट दिया गया है, जिसके चलते इसे केवल 18 वर्ष से अधिक आयु के दर्शक ही देख सकेंगे। इसके अलावा उपशीर्षकों में नोटबंदी से जुड़ी तारीखों को ठीक किया गया है और सूचना पाठ में 'लाहौर' शब्द को 'दिल्ली' से बदला गया है। सेंसर बोर्ड के निर्देशों के बाद फिल्म की भारतीय अवधि अब 3 घंटे 49 मिनट 36 सेकंड रह गई है, जबकि प्रमाणन के लिए सौंपे जाने के समय इसकी अवधि लगभग 3 घंटे 51 मिनट थी। कुल मिलाकर करीब 1.3 मिनट की फुटेज हटाई गई, जिससे भारतीय संस्करण विदेशी संस्करण (लगभग 3 घंटे 55 मिनट) से करीब 6 मिनट छोटा हो गया है। फिल्म में ड्रग्स से संबंधित चेतावनी भी जोड़ी गई है। फिल्म 'धुरंधर-2' को लेकर दर्शकों में पहले से ही जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है और अब सेंसर से हरी झंडी मिलने के बाद इसकी रिलीज का इंतजार और बढ़ गया है।

एटली का फिल्म बनाने का तरीका काफी प्रभावशाली: विजय

मुंबई। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता विजय सेतुपति ने एटली के निर्देशन की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें फिल्म बनाने का उनका तरीका काफी प्रभावशाली लगता है। उन्होंने बताया कि एटली को अच्छी तरह पता होता है कि किसी सीन या शॉट को किस तरह प्रस्तुत करना है और किस जगह उसे खास बनाना है। सेतुपति के अनुसार, निर्देशक अपने हर सीन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त रहते हैं और यही आत्मविश्वास उनके काम को अलग बनाता है। विजय सेतुपति ने कहा कि उन्हें एटली के साथ काम करना इसलिए भी अच्छा लगा क्योंकि वह अपने विजन को लेकर स्पष्ट रहते हैं और कलाकारों को भी उसी दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके मुताबिक, एटली की यही

खासियत उनके साथ काम करने के अनुभव को खास बनाती है। अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म करने के पीछे एक और बड़ी वजह शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका था। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान जैसे बड़े स्टार के साथ स्क्रीन साझा करना उनके लिए एक खास अनुभव था और इसी कारण उन्होंने इस फिल्म के लिए हामी भरी। विजय सेतुपति के अनुसार, शाहरुख खान के साथ काम करना उनके करियर के यादगार अनुभवों में से एक रहा। फिल्म 'जवान' ने रिलीज के बाद दुनियाभर में शानदार कमाई की थी और दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुई। फिल्म की कहानी, एक्शन सीक्वेंस और कलाकारों के दमदार अभिनय ने इसे बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता दिलाई थी। बता दें कि साल 2023 में रिलीज हुई यह एक्शन एंटरटेनर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी और उस वर्ष की सबसे सफल फिल्मों में शामिल रही थी।

'ड्रैगन' में अनिल कपूर की एंट्री से फिल्म इंडस्ट्री और फैंस के बीच बढ़ा उत्साह

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म ड्रैगन को लेकर नया अपडेट सामने आया है। खबर है कि दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए हैं और फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाते नजर आ सकते हैं। प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म से दर्शकों को बड़ी उम्मीदें हैं। निर्देशक इससे पहले 'केजीएफ' और 'सालार' जैसी सफल फ्रैंचाइजी दे चुके हैं। ऐसे में 'ड्रैगन' को लेकर फिल्म इंडस्ट्री और फैंस के

बीच उत्साह लगातार बढ़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म का पैमाना काफी बड़ा है, जिसके चलते इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ सकती है। पहले इसे जून 2026 में सिनेमाघरों में लाने की योजना थी, लेकिन अब संभावना जताई जा रही है कि फिल्म साल के आखिर तक रिलीज हो सकती है। 'ड्रैगन' के जरिए अनिल कपूर करीब 46 साल बाद तेलुगु सिनेमा में वापसी करेंगे। उनकी पहली और अब तक की आखिरी तेलुगु फिल्म वंश 'वंश वृक्षम' थी। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर भी सामने आई, जिसमें अभिनेता को निर्देशक प्रशांत नील के साथ मुंबई में चर्चा करते देखा गया।